

संक्षिप्त समाचार

लालू यादव की याचिका पर ईडी को दिल्ली हाईकोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। रेलवे टेंडर घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया है। लालू यादव ने निचली अदालत की ओर से उनके खिलाफ आरोप तय करने के आदेश को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को निर्धारित की है। इस मामले में 10 सितंबर को राजउ एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने इसी मामले में लालू यादव के दामाद राहुल यादव सहित सात आरोपियों को बरी करने का भी आदेश दिया था। अदालत ने लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के अलावा लारा प्रोजेक्ट्स, सरला गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता, सुजाता होटल्स, विनय कोचर और विजय कोचर के खिलाफ भी आरोप तय करने का आदेश दिया था।

प्रयागराज में जमीन में गाड़े 500 रुपये की नोट से भरे 3 ड्रम 5 करोड़ बरामद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चौकाने वाला मामला सामने आया है। यहां नवाबगंज के बरईपुर रामनगर गांव में एक घर के अंदर जमीन के नीचे 5 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई है। मकान राकेश यादव उर्फ महाकाल का है। पुलिस ने जांच के दौरान यह रुपये बरामद किए हैं। रुपये 3 ड्रमों के अंदर भरे थे, जिसमें 500-500 रुपये की नोट थीं। बरामद नकदी 5 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि गांव में चर्चा 60 करोड़ रुपये की है। पुलिस को बुधवार देर शाम को राकेश के घर पर चोरी के रुपये जमीन में गाड़ने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने पूरे गांव को बिजली कटवा दी और जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान पुलिस को जमीन के अंदर दबाए गए 3 नीले ड्रम मिले, जिसमें कपड़े से लपेटकर नोटों की गड़ियां रखी गई थीं। पुलिस ने घर को सील कर दिया है और नोटों को जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि यह पुरानी मकान राकेश का है।

डिजिटल अरेस्ट होने पर बैंक को लौटाना पड़ेगा पैसा?

नई दिल्ली। डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर की जा रही साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि जागरूकता अभियान चलाए जाने और लगातार खबरें सामने आने के बावजूद लोग इस तरह की ठगी का शिकार हो रहे हैं। अदालत ने जोर दिया कि यदि किसी वित्तीय संस्थान की उचित जांच-पड़ताल में लापरवाही के कारण धोखाधड़ी होती है, तो पीड़ितों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए बैंकों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिश कर रहा विपक्ष : नड्डा

दुर्ग। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत शुक्रवार को दुर्ग शहर के महेश कॉलोनी स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर प्रांगण में आमसभा का आयोजन किया गया। आमसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में आम नागरिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर जमकर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाकर देश की लोकतांत्रिक

व्यवस्था को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भारत प्रजातंत्र की जननी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहां की चुनावी प्रक्रिया की पूरी दुनिया में सराहना होती है, लेकिन कांग्रेस चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर लोकतंत्र की छवि खराब करने में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जब चुनाव जीतते हैं तो उन्हें चुनावी प्रक्रिया पर कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन हारने पर ईवीएम और चुनाव व्यवस्था को दोष देने लगते हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस की यह राजनीति जनता को समझने की जरूरत है। श्री नड्डा ने कांग्रेस को प्रजातंत्र विरोधी पार्टी बताते



हुए आपातकाल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में आपातकाल के दौरान करीब 1 लाख 30 हजार लोगों को जेल में डालकर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया था। ऐसे में कांग्रेस का आज

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की बात करना उचित नहीं लगता। उन्होंने हालिया एमएलसी चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि 28 सीटों में कांग्रेस को केवल एक सीट पर जीत मिली। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार होने के

बावजूद पार्टी चार में से एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उन्होंने कहा कि देश में अब तक 12 बार एसआईआर की प्रक्रिया हो चुकी है, जिनमें से 10 बार कांग्रेस के शासनकाल में और दो बार भाजपा के शासनकाल में यह प्रक्रिया पूरी की गई। वर्तमान में भी यह प्रक्रिया जारी है। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से करीब 13 करोड़ नाम हटाए गए हैं। श्री नड्डा ने कहा कि यह देशभक्तों और देशविरोधी तत्वों के बीच की लड़ाई है। देश की व्यवस्था घुसपैठियों के सहारे नहीं चलने दी जाएगी। कांग्रेस जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है, जिसका भाजपा हर स्तर पर विरोध करेगी।

लोकतंत्र की दुहाई देने वालों ने आपातकाल लगाया-सीएम साय

सभा में मौजूद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज हम सब उनके खिलाफ एकत्रित हुए हैं, जो देश को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र की दुहाई देने वालों ने आपातकाल लगाकर सबको जेल में डाल दिया, मीडिया में सेंसरशिप लगाया, धारा 356 का गलत उपयोग किया। ये लोकतंत्र की दुहाई देने वाले जब चुनाव जीत जाते हैं, तब कोई विरोध नहीं करते, पर जब चुनाव हार जाते हैं, तब चुनाव में गड़बड़ी की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि दोहरे चरित्र वाले ये लोग ही आज देश में अराजकता फैलाने का काम करते हैं। इनके इरादों को जनता समझती है। और ये कभी सफल नहीं होंगे।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में इस बार वायुसेना का एयर शो होगा।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में सारंग टीम का एयर शो, 2 नवंबर को नवा रायपुर में सारंग टीम प्रदर्शन करेगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में रोमांचक एयर शो का आयोजन होने जा रहा है। 2 नवंबर को नवा रायपुर का आसमान वायुसेना के शौर्य से गुंजेगा। संध लेक के पास यह खास प्रदर्शन आयोजित होगा। दर्शकों को जमीन पर राज्य की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी। वहीं आसमान में हेलीकॉप्टरों का रोमांचक करतब दिखेगा। इस एयर शो में वायुसेना की मशहूर सारंग टीम हिस्सा लेगी। टीम के पांच हेलीकॉप्टर एक साथ उड़ान भरकर प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में पूरी तरह

स्वदेशी एडवॉर्ड्स लाइट हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल होगा। इन हेलीकॉप्टरों को हम ध्रुव के नाम से भी जानते हैं। यह भारतीय विमानन तकनीक का बेहतरीन नमूना माना जाता है। सारंग हेलीकॉप्टर डिस्टले टीम का गठन साल 2003 में हुआ था। इसके बाद टीम ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नाम कमाया। फरवरी 2004 में टीम ने सिंगपुर में पहला शो किया था। यह एशियन एयरोस्पेस एयर शो का एक बड़ा मंच था। तब से यह टीम दुनिया भर में अपनी पहचान बना चुकी है। देश और



विदेश के कई शो में टीम शामिल हुई है। रायपुर में होने वाले इस शो की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। गुरुवार को एयर कमांडर नंदा

कुमार बाला ने राज्यपाल से मुलाकात की। वह हेडक्वार्टर एंटी नक्सल टास्क फ़ोर्स के एयर ऑफ़िसर कमांडिंग हैं। उन्होंने

लोक भवन में राज्यपाल रमेश ठेका से मेंट की। इस दौरान वायुसेना के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में कैप्टन वैभव विशाल और रूपा कैप्टन अभिजीत कुमार शामिल थे। इसके अलावा कमांडर प्रियांशु और स्काइन लीडर अर्किता सिंह भी मौजूद थीं। स्काइन लीडर विनय पाठक भी इस चर्चा का हिस्सा बने। उनके लैफ्टिनेंट शांका और लैफ्टिनेंट साई अक्षय भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शो की सुरक्षा और व्यवस्था पर चर्चा की। यह प्रदर्शन वायुसेना की उड़ान क्षमता को उजागर करेगा।

खरगे पर पीएम मोदी का पलटवार

गुजरात की धरती से बोले- अंतिम सांस तक देश सेवा में जुटा रहूंगा

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की पीएम मोदी पर की गई 'बाप' वाली टिप्पणी पर प्रधानमंत्री ने जवाब दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर पलटवार करते हुए कहा कि वह अपनी आखिरी सांस तक भारत के लोगों की सेवा करते रहेंगे। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर अप्रवाह फैलाने का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी गुजरात के बनावसकांठा जिले के भिलडी में 'भारत बोवाइन बीडिंग एंड रिसर्च सेंटर' का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए



की। इस दौरान उन्होंने 14,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीवन के अंतिम क्षण तक मैं जनता की सेवा में ही जुटा रहूंगा। विपक्ष पर निशाना

साधते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें देश के मुश्किल दौर से गुजरने पर खुशी मिलती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान युद्ध के समय उन्होंने (विपक्ष) अप्रवाह फैलाई कि किसानों को खाद नहीं मिलेगी और लोगों को एलपीजी नहीं मिलेगी, क्योंकि वे मोदी को बदनाम करना चाहते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा किसानों के कल्याण को प्राथमिकता दी है और उन्हें सशक्त बनाया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच खाद की कीमतों में भारी उछाल आया, लेकिन हमारी सरकार ने इसका बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया।

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन और विकास परियोजनाओं पर लग सकती हैं पाबंदियां

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए पर्यटन गतिविधियों और विकास परियोजनाओं पर नियंत्रण लगाने की तैयारी है। सर्वोच्च न्यायालय में राज्य के पर्यावरणीय मुद्दों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। समिति ने प्रमुख पर्यटन स्थलों की पर्यटकों को संभालने की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन करने, जरूरत पड़ने पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने तथा पहाड़ी सड़कों और जलविद्युत परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों की समीक्षा करने की सिफारिश की है।

ई20 फ्यूल विवाद पर भी तोड़ी चुप्पी

एक्सप्रेसवे पर 140 से ज्यादा की स्पीड पर ही कटेगा चालान-नितिन

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश में तेजी से बनते एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे पर गाड़ियां तो फ़ास्टा भर रही हैं, लेकिन कई बार सही स्पीड लिमिट में गाड़ी चलाने के बावजूद चालान कटने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चालान और बेवजह के सिस्टम से परेशान होने वाले चालकों के लिए अब राहत भरी खबर आई है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने साफ कर दिया है कि एक्सप्रेसवे पर निर्धारित 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों पर कोई कार्रवाई या



जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। इतना ही नहीं, उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त स्पीड पर भी रियायत दी जाए। भारतीय उद्योग परिसंघ के एक प्रमुख कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यातायात व्यवस्था और

स्पीड लिमिट को लेकर कई अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसे आधुनिक राजमार्गों पर जहां स्पीड लिमिट 100 से 120 किमी प्रति घंटा तय की गई है, वहां ड्राइवरों को सिस्टम से काफ़ी बेवजह के नोटिस मिल रहे थे। गडकरी के अनुसार, कई लोग शिकायत कर रहे थे कि थोड़ी सी रफ्तार बढ़ते ही उनके फ़ोन पर चालान का मैसेज आ जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने विभाग के अप्सरों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि 120 किमी/घंटा तक की स्पीड में चलने वाले किसी भी वाहन को पेनल्टी नोटिस न भेजा जाए।

ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई

शराब,कोल लेवी और मेडिकल घोटाले में 16 ठिकानों पर मारा छापा

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में आर्थिक अपराधों के खिलाफ राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार 30 अक्टूबर को ब्यूरो की टीम ने शराब घोटाला, कोल लेवी घोटाला और मेडिकल घोटाले से जुड़े मामलों में प्रदेश के 6 जिलों के कुल 16 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। ईओडब्ल्यू की इस कार्रवाई में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, कोरबा और गरियाबंद जिले शामिल हैं। तलाशी के दौरान जांच टीम ने वित्तीय अनियमितताओं, अवैध लेन-देन और आर्थिक गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, संपत्तियों की रजिस्ट्री के कागजात, डिजिटल उपकरण और अन्य

साक्ष्य जुटाए हैं। शराब घोटाले से जुड़े अपराध क्रमांक 04/2024 के तहत रायपुर और राजनांदगांव जिलों के कुल 6 स्थानों पर तलाशी ली गई। इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज है। जांच में वित्तीय अनियमितताओं और संबंधित लेन-देन से जुड़े साक्ष्य जुटाए गए हैं। कोल लेवी घोटाले से संबंधित अपराध क्रमांक 03/2024 के तहत ईओडब्ल्यू ने कोरबा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जिलों के 6 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के साथ धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र और अन्य संबंधित धाराओं के तहत जांच की जा रही है। मेडिकल घोटाले से जुड़े अपराध क्रमांक



05/2025 के तहत रायपुर और गरियाबंद जिलों के कुल 4 स्थानों पर तलाशी की कार्रवाई की गई। इस मामले में भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज है। ईओडब्ल्यू के अनुसार, तलाशी के दौरान मिले

दस्तावेजों, संपत्तियों की रजिस्ट्री और डिजिटल उपकरणों का बारीकी से परीक्षण किया जा रहा है। जांच एजेंसी का मानना है कि नए तथ्यों और साक्ष्यों से इन मामलों में पहले से स्थापित साक्ष्यगत कड़ियों को और मजबूती मिल सकती है। ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि

दस्तावेजों, संपत्तियों की रजिस्ट्री और डिजिटल उपकरणों का बारीकी से परीक्षण किया जा रहा है। जांच एजेंसी का मानना है कि नए तथ्यों और साक्ष्यों से इन मामलों में पहले से स्थापित साक्ष्यगत कड़ियों को और मजबूती मिल सकती है। ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि

आरोपियों की भूमिका और उनके खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक एवं विवेचनात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। फ़िरहाल जांच एजेंसी प्राप्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण कर रही है। राजिम और नवापारा क्षेत्र में भी टीमें सक्रिय दिखीं। वहां सोना-चांदी और कपड़ा व्यापारियों पर शिकंजा कसा गया। करोबारी विमल पारख के ठिकानों पर टीम पहुंची। करोबारी राजा पारख के परिसर की भी तलाशी ली गई। शांति विजय ज्वेलर्स में अधिकारी दस्तावेज खंगाल रहे हैं। नवकार ज्वेलर्स पर भी सुबह से कार्रवाई जारी है। रायपुर के वीआईपी स्टेट में भी टीम पहुंची। वहां सुदर्शन शर्मा के निवास पर दवािश दी गई।

क्या है पूरा विवाद?

यह पूरी कार्रवाई दो मुख्य मामलों से जुड़ी हुई है। पहला मामला सीएसएमसीएल यानी शराब घोटाले का है। इसमें मेडिकल उपकरणों की खरीदी में भी गड़बड़ी का आरोप है। दवाओं की खरीद में हुई अनियमितताओं की जांच चल रही है। दूसरा मामला कोयला लेवी से संबंधित बताया जा रहा है। इसमें कोयला परिवहन के दौरान अवैध दस्तूरी का आरोप है। जांच एजेंसीया अवैध पैसों के लेन-देन की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण पड़लें आने काफ़े में ती हैं। डिजिटल साक्ष्यों को भी एकत्र किया जा रहा है। बैंक खातों और संपत्ति के ब्योरे की जांच हो रही है। फ़िरहाल प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी कार्रवाई जारी है। गरियाबंद और भिलाई में भी टीमों की मौजूदगी की खबर है। तलाशी के दौरान मिले साक्ष्यों का ब्योरा अभी गोपनीय है। जांच एजेंसीया जल्द ही इस पर आधिकारिक बयान जारी करेंगी।

कार्निवल में 800 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया

बालको में सरस्टेनेबिलिटी माह का समापन 2,600 से अधिक लोगों ने लिया भाग

बालकोनगर। वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने सरस्टेनेबिलिटी माह 2026 के समापन कार्यक्रम का आयोजन किया। महीने भर चले अभियान में 2,600 से अधिक कर्मचारियों, बिजनेस पार्टनर्स, उनके परिवारजन, विद्यार्थियों और समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, सामुदायिक गतिविधियों और रोचक आयोजन के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का उद्देश्य सरस्टेनेबिलिटी को केवल एक विषय तक सीमित न रखकर, इसे अपने काम और दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना था। पूरे माह के दौरान कई गतिविधियों का आयोजन किया



गया। इनमें वाड़ी पौधरोपण अभियान, तालाब पुनर्जीवन गतिविधि, सीड बॉल बनाने की पहल और नुकड़ नाटक 'मौसम का हिसाब' प्रमुख रहे। इसके साथ ही सुरक्षा से जुड़ी रोचक गतिविधियों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जिम्मेदार व्यवहार और सामूहिक भागीदारी का महत्व समझाया गया। इन गतिविधियों के बाद सरस्टेनेबिलिटी कार्निवल के साथ इस अभियान का समापन

हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को सीखने और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का अवसर मिला। कार्निवल में 800 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। उनके लिए कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की गतिविधि, जैव विविधता के प्रति जागरूकता सत्र और सीड बॉल बनाने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारी और बेहतर कार्यप्रणाली से जुड़े विषयों पर भी रोचक गतिविधियाँ हुईं। वन विभाग

के सहयोग से आयोजित बागवानी जागरूकता सत्र में स्थानीय, औषधीय और अन्य उपयोगी पौधों के महत्व की जानकारी दी गई। वहीं, मिट्टी के बर्तन बनाने और कोसा बुनाई जैसी गतिविधियों के माध्यम से पारंपरिक कला, स्थानीय संस्कृति और टिकाऊ आजीविका के बीच संबंध को समझाया गया। कार्निवल में महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादक समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इससे स्थानीय

उत्पादों को प्रोत्साहन देने, महिलाओं की आजीविका को मजबूत बनाने और पारंपरिक कला एवं संस्कृति को संरक्षित करने में सरस्टेनेबिलिटी की भूमिका सामने आई। इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, सरस्टेनेबिलिटी का अर्थ है आज ऐसे फैसले लेना, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करें। भारत की विकास यात्रा में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एनआईआरडी की टीम ने ग्राम पंचायत मंदरौद में विकास कार्य एवं आजीविका गतिविधियों का किया अवलोकन

● महिला सशक्तीकरण, कृषि, पोषण, पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण आजीविका से जुड़ी गतिविधियों की जमीनी स्थिति का लिया जायजा

धमतरी। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी) की टीम ने बुधवार को धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मंदरौद का भ्रमण कर पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न विकास कार्य, शासकीय योजनाओं तथा आजीविका संवर्धन संबंधी गतिविधियों का अवलोकन किया। टीम में सत्याजीत पात्रो एवं एस.एम. सादाब शामिल थे। इस दौरान जिला पंचायत धमतरी की उपसंचालक पंचायत पद्मिनी वर्मा उपस्थित रहीं। भ्रमण के दौरान टीम ने सर्वप्रथम ग्राम पंचायत भवन का निरीक्षण कर पंचायत की मूलभूत जानकारी एवं विभिन्न



गतिविधियों के संबंध में चर्चा की। इसके बाद महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों से विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। कृषि विभाग के माध्यम से संचालित कार्बन क्रेडिट संबंधी गतिविधियों पर भी चर्चा की गई। पर्यावरण संरक्षण एवं आजीविका संवर्धन के तहत फलदार वृक्षारोपण, बाड़ी विकास तथा खस एवं सिंदूर जैसे उपयोगी पौधों के रोपण का अवलोकन किया गया। साथ ही मखाना उत्पादन के उद्देश्य से तैयार की गई डबरी का निरीक्षण कर इसकी संभावनाओं

की जानकारी प्राप्त की। टीम ने बाला अवधारणा के अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण किया। इसके साथ ही संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण आहार की व्यवस्था, पंजियों एवं रजिस्ट्रों का अवलोकन कर बच्चों के पोषण और बाल-अनुकूल वातावरण के संबंध में जानकारी ली। ग्राम के खेल मैदान में टीम ने मोहन साहू द्वारा युवाओं को सेना भर्ती के लिए दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही केशरी नागरची के आवास का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया।

दलहन-तिलहन उत्पादन और कृषि विविधीकरण के लिए किसान खीरसागर पटेल को मिला 'उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान'



सारंगढ़-बिलाईगढ़। सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम मानिकपुर निवासी प्रगतिशील किसान खीरसागर पटेल, पिता राम दयाल पटेल, को दलहन-तिलहन फसलों के उत्पादन और कृषि विविधीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए 'उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया है। 27

अक्टूबर को श्रद्धेय मनहरण लाल पाण्डेय की 88वीं जयंती के अवसर पर रायपुर स्थित सर्फिट हाउस में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। समारोह में प्रदेशपर के 25 उत्कृष्ट किसानों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

धान के साथ दलहन-तिलहन और वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा

पटेल ग्राम मानिकपुर में लगभग 4.838 हेक्टर पर खेती करते हैं। परंपरागत धान की खेती के साथ वे सूरजमुखी, सरसों, उड़द, मूंग और लाल झुंगा जैसी फसलें उगाकर कृषि विविधीकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से उन्होंने दलहन-तिलहन फसलों को अपनी कृषि गतिविधियों में शामिल किया है। उन्नत कृषि तकनीकों के उपयोग से वे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर रहे हैं। खेती को विविध रूप देने के लिए पटेल ने पशुपालन और उद्यानिकी को भी अपनी कृषि गतिविधियों से जोड़ा है। धान के साथ दूसरी फसलों को अपनाने और कृषि के अन्य क्षेत्रों को जोड़ने का उनका प्रयास क्षेत्र के किसानों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

कृषि क्षेत्र में पूर्व में भी मिल चुका है सम्मान कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए खीरसागर पटेल को वर्ष 2019 में 'डॉ. खूबचंद बबेल कृषक रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया जा चुका है। अब 'उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान' से सम्मानित होना उनके निरंतर प्रयासों और कृषि विविधीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। उनकी उपलब्धि जिले के किसानों के लिए गौरव का विषय है। इससे क्षेत्र के अन्य किसान भी पारंपरिक खेती के साथ वैकल्पिक फसलों और उन्नत कृषि प्रवृत्तियों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। कलेक्टर मती पद्मिनी भोई साहू ने खीरसागर पटेल की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

टेबल टेनिस में रायगढ़ के खिलाड़ियों ने एकल और युगल तर्ग में जीते स्वर्ण पदक, योग और शतरंज में भी खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

रायगढ़। घरघोड़ा विकासखंड स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छर्राटांगर में आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता-2026 के दूसरे दिन विभिन्न खेल स्पर्धाओं के रोमांचक मुकाबले हुए। आठ क्लस्टरों के लगभग 515 बालक खिलाड़ियों की भागीदारी वाले इस आयोजन में खिलाड़ियों ने खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन टेबल टेनिस, शतरंज, योग, खो-खो, फुटबॉल और बास्केटबॉल सहित विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। टेबल टेनिस के अंडर-19 बालक एकल वर्ग में रायगढ़ के विनय कुमार ने पहला स्थान हासिल किया। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के दीपक कुमार सरुता और शशांक पैकरा की जोड़ी विजेता बनी। बस्तर के राहुल और अर्जुन दूसरे तथा रायगढ़ के कन्हैया



सरुता दूसरे और बलरामपुर के अनोष कुजूर तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-14 युगल वर्ग में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के दीपक कुमार सरुता और शशांक पैकरा की जोड़ी विजेता बनी। बस्तर के राहुल और अर्जुन दूसरे तथा रायगढ़ के कन्हैया

राठिया और विनय कुमार की जोड़ी तीसरे स्थान पर रही। अंडर-14 एकल वर्ग में रायगढ़ के सागर ध्रुव ने स्वर्ण पदक जीता। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के विनायक पैकरा दूसरे और सरगुजा के रूपेश कुमार तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-14 युगल वर्ग में

में रायगढ़ के सागर ध्रुव और तुषारांशु ध्रुव की जोड़ी ने पहला स्थान हासिल किया। बलरामपुर के गुरु गोविंद सिंह और चंद्रशेखर दूसरे तथा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के विनायक पैकरा और आदित्य कुमार तीसरे स्थान पर रहे। टीम स्पर्धाओं में कांकेर क्लस्टर ने शानदार प्रदर्शन किया। बास्केटबॉल में कांकेर ने पहला, बस्तर ने दूसरा और बलरामपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया। फुटबॉल प्रतियोगिता में भी कांकेर क्लस्टर विजेता रहा। बलरामपुर दूसरे और सुकमा तीसरे स्थान पर रहे। खो-खो प्रतियोगिता में कांकेर क्लस्टर ने पहला स्थान हासिल किया। धमतरी दूसरे और बलरामपुर तीसरे स्थान पर रहे।

चिरायु योजना के तहत बोड़ला में निःशुल्क ईको कार्डियोग्राफी जांच शिविर आयोजित

कवर्धा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला में निःशुल्क ईको कार्डियोग्राफी जांच शिविर का आयोजन किया गया। सत्य साईं हॉस्पिटल रायपुर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में जिले के 43 बच्चों का पंजीयन कर उनकी ईको कार्डियोग्राफी जांच की गई। जांच के उपरांत 21 बच्चों को हृदय रोग के ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित किया गया। शिविर का उद्देश्य बच्चों में हृदय रोग की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराना है। सीएनएचओ डॉ. डीके तुरे ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत जिले के समस्त शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, अनुदान प्राप्त विद्यालयों, आवासीय विद्यालयों, आश्रमों एवं छात्रावासों में



अध्ययनरत बच्चों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों का चिरायु दलों के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। चिरायु दल वर्ष में एक बार विद्यालयों तथा वर्ष में दो बार आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण कर बच्चों की स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। गंधी बीमारियों से ग्रसित बच्चों को आगे की जांच एवं उपचार के लिए चिरायु वाहनों के माध्यम से शासन द्वारा अनुबंधित शासकीय एवं निजी अस्पतालों में भेजा जाता है। आवश्यकता के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन से अनुबंधित राज्य के बाहर के अस्पतालों में भी बच्चों के उपचार एवं ऑपरेशन की व्यवस्था की जाती है।

कलेक्टर ने दानसरा में काले चावल की खेती और मुड़ियाडीह में भौतिक सत्यापन कार्य का किया निरीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़। किसानों की आय बढ़ाने और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले में काले चावल की खेती का विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने दानसरा पहुंचकर काले चावल की खेती का अवलोकन किया और उत्पादक किसानों से चर्चा की। जिले के लगभग 200 किसान करीब 340 एकड़ में 'कुरो' किस्म के काले चावल की खेती कर रहे हैं। किसानों ने कुरो कंपनी के साथ अनुबंध किया है, जिसके तहत कंपनी उनकी उपज खरीदेगी और उन्हें प्रति किंटल 25 हजार रुपये तक भुगतान किया जाएगा।

कुरो काले चावल की खेती से किसानों को बेहतर बाजार मूल्य की उम्मीद

दानसरा में खेती का अवलोकन करते हुए कलेक्टर ने किसानों से उत्पादन, खेती की पद्धति और कंपनी के साथ हुए अनुबंध के संबंध में जानकारी ली। किसान मनोज कुमार साहू ने बताया कि वे एक एकड़ में जैविक विधि से काले चावल की खेती कर रहे हैं और उन्हें प्रति एकड़ लगभग 15 किंटल उत्पादन की उम्मीद है। उपज कंपनी को बेचने की व्यवस्था होने से किसानों को



बाजार और संभावित आमदनी को लेकर भरोसा मिला है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आगामी खरीफ सीजन में कुरो काले चावल की जैविक खेती का क्षेत्र एक हजार हेक्टेयर से अधिक तक बढ़ने की संभावना है। कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषक उन्नति योजना के तहत कुरो चावल उगाने वाले किसानों का धान के स्थान पर अन्य फसल उत्पादन के लिए 15 हजार रुपये की सहायता हेतु पंजीयन भी कराया जा रहा है। इससे किसानों को फसल विविधीकरण के साथ योजना का लाभ लेने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को काले चावल की खेती का रकबा बढ़ाने और किसानों को आवश्यक मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक फसलों को अपनाने से फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा और सामान्य धान पर निर्भरता कम करने

में मदद मिलेगी। निरीक्षण के दौरान एडीएम डी.एस. राजपूत, उप संचालक कृषि आशुतोष वास्तव, तहसीलदार एवं आर.आई. सारंगढ़, कृषि विभाग के अधिकारी, कुरो कंपनी के प्रतिनिधि प्रकाश जोशी तथा क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

मुड़ियाडीह में पीवी-डीसीएस कार्य और स्कूलों की मिनी मिट्टी परीक्षा प्रयोगशालाओं का जायजा दानसरा के बाद कलेक्टर ने मुड़ियाडीह में भौतिक सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने खेत में ऐप के माध्यम से पीवी करने की प्रक्रिया की जानकारी ली और शेष पीवी तथा डीसीएस कार्य निर्धारित समय-सोमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग ने स्वीयल हेल्थ कार्ड योजना के तहत जिले के तीन पीएम स्कूलों में मिनी मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाएं उपलब्ध कराई हैं।

सरगुजा ओलंपिक में 4.16 लाख खिलाड़ियों का पंजीयन, विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न



अम्बिकापुर। प्रदेश में दूसरी बार हो रहे सरगुजा ओलंपिक में सरगुजा संभाग के 6 जिलों के कुल 4 लाख 16 हजार 813 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुषों से 69 हजार 45 अधिक है। सभी छह जिलों में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न हो चुकी हैं। विकासखंड स्तरीय स्पर्धाओं के विजेता खिलाड़ी अब जिला स्तर पर अपना दमखम दिखाएंगे। जिला स्तर के विजेता आगामी नवम्बर में प्रस्तावित संभाग स्तरीय मुकाबलों में अपने जिलों का प्रतिनिधित्व करेंगे। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की

पहल पर सरगुजा क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनकी रचनात्मक और खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें खिलाड़ी के रूप में तैयार करने पिछले वर्ष से सरगुजा ओलंपिक का आयोजन प्रारंभ किया गया है। इसके माध्यम से शासन और जनता के बीच मजबूत एवं प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने का भी लक्ष्य है। इस सोच को धरातल पर उतारने विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इस साल के सरगुजा ओलंपिक के लिए 10 अगस्त से 10 सितम्बर 2026 तक पंजीयन किया गया था।

हरियाणा को हराकर बढ़ाया जिले का मान, कोरबा रेलवे स्टेशन पर ढोल-ताशों और पुष्पहारों के साथ हुआ भव्य स्वागत

राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में कोरबा के गीतेश यादव और युवराज यादव ने जीता कांस्य पदक

कोरबा। राष्ट्रीय खेल मंच पर कोरबा के युवा तीरंदाजों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। राज्यस्तर की रावभाजी जयपुर में आयोजित 46वीं आर्चरी रिकर्व जूनियर नेशनल प्रतियोगिता के टीम इवेंट में कोरबा तीरंदाजी अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों गीतेश यादव एवं युवराज यादव ने कांस्य पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा की टीम को पराजित कर यह उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता से कोरबा सहित पूरे यादव समाज में हर्ष



और गर्व का माहौल है। रेलवे स्टेशन पर हुआ भव्य स्वागत, मुंजे बघाई के स्वर-राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर कोरबा लीटे दोनों खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर ढोल-ताशों की गूंज,



पुष्पहारों और पुष्पगुच्छों के साथ उनका आत्मीय अभिर्नंदन किया गया। उपस्थित लोगों ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वागत समारोह में यादव समाज के प्रतिनिधियों, आर्चरी संघ के पदाधिकारियों, खिलाड़ियों के

नीलकंठ यादव, कौशल्या यादव, सर्व यादव समाज कोरबा के जिलाध्यक्ष चन्द्रमणि यादव, राजू यादव, पीला दाऊ यादव, पवन यादव एवं भूपेन्द्र यादव सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों की उपलब्धि को कोरबा जिले और समाज के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

संधर्ष, अनुशासन और प्रशिक्षण का मिला परिणाम-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने वाले गीतेश यादव, पिता धनू यादव एवं माता मती देवकुमारी यादव तथा युवराज यादव, पिता संतोष यादव एवं माता मती गीता

यादव ने अपनी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है। दोनों खिलाड़ियों की सफलता के पीछे उनके परिवार का सहयोग, नियमित अभ्यास और प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है। कोरबा तीरंदाजी अकादमी के कोच भरत कुमार यादव एवं भानु यादव ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए बताया कि अकादमी के खिलाड़ी निरंतर अभ्यास और अनुशासित प्रशिक्षण के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस अवसर पर आर्चरी संघ के सेद कुमार यादव भी उपस्थित रहे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने

अकादमी के प्रशिक्षण प्रयासों और कोरबा में खेल प्रतिभाओं की संभावनाओं को एक नई पहचान दी है। कोचों के अनुसार, अकादमी के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने के उद्देश्य से तुर्की भी जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभ्यास और प्रतिस्पर्धा का अनुभव उनकी तकनीकी दक्षता, आत्म विश्वास और भविष्य के प्रदर्शनों को और बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है।

यादव समाज के लिए गर्व और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा-गीतेश यादव और युवराज यादव की उपलब्धि केवल दो खिलाड़ियों की व्यक्तिगत

सफलता नहीं, बल्कि कोरबा की खेल प्रतिभा, उनके परिवारों के समर्पण और समाज के युवाओं की क्षमता का भी प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतकर दोनों ने यह संदेश दिया है कि दृढ़ संकल्प, कठिन प्रशिक्षण, अनुशासन और उचित मार्गदर्शन के बल पर छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। छत्तीसगढ़ शैरिया यादव समाज, कोरबा सहित उपस्थित समाजबच्चों और नागरिकों ने दोनों खिलाड़ियों, उनके माता-पिता तथा प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

ससुर की हत्या के मामले में बड़ा फैसला, बहू और उसके प्रेमी को उम्रकैद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में ससुर की हत्या के मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने हत्या के दोषी बहू और उसके प्रेमी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर बिजली का करंट लगाकर हत्या करने और वारदात के साक्ष्य छिपाने की कोशिश करने का आरोप था। मामला डींडीलोहारा थाना क्षेत्र के खडेनाडीही गांव का है। मृतक की पहचान मनोहर निर्मलकर के रूप में हुई थी। जानकारी के अनुसार, 16 जुलाई 2025 को मनोहर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजन जब शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जा रहे थे, तब ग्रामीणों ने उसके चेहरे और माथे पर चोट के निशान देखे। उन्हें अनहोनी की आशंका हुई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर डींडीलोहारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा पुलिस जांच में मामला सामान्य मौत का नहीं, बल्कि हत्या का निकला। पुलिस ने मामले में मृतक की बहू गीता बाई निर्मलकर (30) और उसके प्रेमी लेखराम निषाद (25) को गिरफ्तार किया। लेखराम पेशे से हारमोनियम शिक्षक बताया गया है और गीता को उसके घर पर हारमोनियम सिखाने आता था। जांच के अनुसार, दोनों के बीच संबंधों की जानकारी मनोहर को हो गई थी। बताया गया कि मनोहर ने इसका विरोध किया था।

बालोद में वन विभाग के बैरियर प्रभारी से मारपीट, ट्रक चालक गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में वन विभाग के कर्मचारी के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि चालक वन उपज नाके पर वाहन जांच के दौरान बैरियर पार कर भाग निकला था। पीछा कर उसे रोका गया, जिसके बाद विवाद और मारपीट की घटना हुई। जानकारी के मुताबिक, यह मामला डींडी नगर पंचायत के पास का है। कांकेर जिले के कच्चे स्थित वन उपज नाके पर खनिज और वन विभाग के अधिकारी रात में ड्यूटी करते हुए वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान रात करीब एक बजे एक ट्रक चालक कथित तौर पर लापरवाही से वाहन चलाते हुए नाका पार कर फरार हो गया। इसके बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने ट्रक का पीछा किया और डींडी नगर पंचायत के पास उसे रोक लिया।

किराना दुकान में 60 हजार की चोरी, फ़रार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहार थाना पुलिस ने किराना दुकान में चोरी के मामले में फ़रार चल रहे आरोपी अमन निषाद उर्फ़ गदालू निषाद (18) को गिरफ्तार किया है। दुकान का ताला तोड़कर नकदी और किराना सामग्री सहित करीब 60 हजार रुपये की संपत्ति चोरी की गई थी। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, सहसपुर लोहार निवासी हमीद खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 26 अगस्त 2026 की रात करीब 9 बजे से 27 अगस्त की सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात आरोपी ने उनकी किराना दुकान का ताला तोड़कर 10 हजार रुपये नकद और अन्य सामग्री चोरी कर ली थी।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएँ स्काउट्स-गाइड्स

स्काउट्स-गाइड्स जल-जंगल बचाने में निभाएं अहम भूमिका-राज्यपाल

■ स्काउटिंग जीवन भर सेवा की प्रेरणा देती है – शिक्षा मंत्री श्री यादव

■ लोकभवन में 1122 स्काउट्स-गाइड्स को राज्यपाल ने प्रदान किए राज्य पुरस्कार, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्काउटर-गाइडर भी सम्मानित

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जल और जंगल को बचाने के लिए सामूहिक

प्रयासों की आवश्यकता है। स्काउट्स एवं गाइड्स पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन और वनों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी साबित हो रही हैं। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राज्य पुरस्कार अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर से चयनित 1122 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रैंजर्स को राज्य पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष गजेंद्र यादव ने की। राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं



देते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स का आदर्श वाक्य 'तैयार रहो' हमें विषम परिस्थितियों का सामना करने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करना गर्व की बात है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़

जाती है। सभी प्रतिभागी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान दें और अपने आचरण से दूसरों के लिए प्रेरणा बनें। राज्यपाल श्री डेका ने राज्य पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बस्तर क्षेत्र से आए स्काउट्स एवं गाइड्स की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि

दुष्कर्म और गर्भवती होने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

आमाबेड़ा थाना क्षेत्र में नाबालिग युवती से दुष्कर्म और उसके गर्भवती होने के मामले में पुलिस ने 23 वर्षीय आरोपी सौरभ कुमार निर्मलकर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर आरोप है कि आरोपी को उसके नाबालिग होने की जानकारी थी। इसके बावजूद उसने प्रेम और शादी का झांसा देकर फरवरी 2026 से लगातार शारीरिक संबंध बनाए, जिससे युवती गर्भवती हो गई। प्रार्थिका की रिपोर्ट पर आमाबेड़ा थाने में अपराध क्रमांक 35/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(1), 64(2)(ड) और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के

तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 27 अक्टूबर 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सौरभ कुमार निर्मलकर, निवासी कोलियारी आवासपारा, थाना आमाबेड़ा, जिला उत्तर बस्तर कांकेर का रहने वाला है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष बंछौर के मार्गदर्शन और एसडीओपी संतोष जैन के पर्यवेक्षण में की गई। कांकेर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने की बात भी कही गई है। पुलिस हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 जारी किया गया है।

सेवा सेतु से घर बैठे मिल रहीं शासकीय सेवाएं,दो दिनों में बना आय प्रमाण पत्र..

■ पोर्टल पर लगभग 900 शासकीय सेवाएं उपलब्ध हैं। पहले ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से सीमित सेवाएं मिलती थीं

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के सेवा सेतु पोर्टल से नागरिकों के लिए विभिन्न शासकीय सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मिलने से प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक



बन रही है। सूरजपुर जिले की भटगांव तहसील के ग्राम मलगा निवासी श्री मोहम्मद जाफर कलाम को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आय प्रमाण पत्र जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के महज दो दिनों के भीतर उन्हें दस्तावेज मिल गया। यह प्रमाण पत्र उन्हें भविष्य में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में उपयोगी

होगा। श्री कलाम ने ऑनलाइन माध्यम से शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घर बैठे जरूरी दस्तावेजों के लिए आवेदन और प्रमाण पत्र प्राप्त होने से नागरिकों का समय बच रहा है और उन्हें सहूलियत मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप राज्य शासन शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने के लिए सेवा सेतु पोर्टल संचालित कर रहा है। पोर्टल पर लगभग 900 शासकीय सेवाएं उपलब्ध हैं। पहले ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से सीमित सेवाएं मिलती थीं। अब सेवा सेतु के जरिए विभिन्न विभागों की अधिक सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई गई हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित आगमन को लेकर आयोजन स्थलों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

चौधरी ने नवा रायपुर में राज्योत्सव की तैयारियों का किया निरीक्षण

■ राज्योत्सव को भव्य, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

■ सत्य साईं हॉस्पिटल, विकसित भारत संकल्प पार्क (पीपल वन) और तूता गांव क्षेत्र में तैयारियों की ली जानकारी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज नवा रायपुर में राज्योत्सव 2026 के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के प्रस्तावित आगमन को लेकर चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने नवा रायपुर स्थित सत्य साईं हॉस्पिटल, विकसित भारत संकल्प पार्क (पीपल वन) तथा तूता गांव क्षेत्र का दौरा कर कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस

दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित, सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली परंपराओं और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का प्रस्तावित आगमन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां आपसी समन्वय के साथ समय-सोमा में पूरी की जाएं, ताकि आयोजन में शामिल होने वाले अतिथियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने नवा रायपुर के विभिन्न कार्यक्रम स्थलों पर चल रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने आयोजन स्थलों की साफ-सफाई, आवागमन, पार्किंग, सुरक्षा तथा आगंतुकों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम स्थलों पर नागरिकों के सुगम आवागमन और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की



जाए। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव प्रदेशवासियों के लिए गौरव और उत्साह का अवसर है। ऐसे में आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तैयारियों की नियमित निगरानी की जाए और

किसी भी स्तर पर कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव के दौरान प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और विकास की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के साथ आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयासों के माध्यम से आयोजन की तैयारियां समय पर पूर्ण

नक्सलवाद के खतरे के बाद बस्तर में शांति स्थापित हुई है और क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए समय को पहचानना और निरंतर संघर्ष करना आवश्यक है। कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नियम और प्रतिज्ञाएं इसके सदस्यों को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। स्काउटिंग की वर्दी अनुशासन, सेवा और समर्पण के मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग से जुड़ा व्यक्ति जीवनभर सेवा के भाव के साथ कार्य करता है। राज्यपाल के हाथों प्राप्त सम्मान प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि है और उन्हें आगे भी समाजसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने प्रदेश के अधिक से अधिक स्काउट्स एवं गाइड्स को राष्ट्रपति

पुरस्कार प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में प्रदेशभर से चयनित 405 स्काउट्स, 528 गाइड्स, 64 रोवर्स और 125 रैंजर्स को राज्यपाल श्री रमेन डेका के हाथों राज्य पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्काउटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ स्काउटर योगेश्वर प्रसाद गांगुली (बालोद), सर्वश्रेष्ठ गाइडर तनुजा बंजारे एवं लता वैष्णव (महासमुंद), सर्वश्रेष्ठ रोवर राजमणि बंजारे एवं चंद्रशेखर पंकज, सर्वश्रेष्ठ रैंजर कुमारी विभूति वर्मा एवं कुमारी कुंज बिजौर, सर्वश्रेष्ठ स्काउट ईश साहू, हरीश कुमार खोटे एवं राजवीर भट्ट तथा सर्वश्रेष्ठ गाइड दिव्या पटेल एवं दीप्ति पटेल को सम्मानित किया गया। स्काउटिंग के क्षेत्र में दीर्घकालीन सेवाओं के लिए शैलेंद्र मिश्रा, आनंद राम बघेल, पवन कुमार नायक, विनोद कुमार हथेल, शशि बंजोर और रजनी रेड्डी को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बैलाडिला बुल्स ने दर्ज की पहली जीत,सेमीफाइनल की आस बाकी है.....



रायपुर/ संवाददाता

बारिश से प्रभावित राजधानी रॉयल्स बनाम बैलाडिला बुल्स के मुकाबले में चिंगलेनसाना सिंह की टीम ने बुधवार को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में 1-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के बाद बुल्स ने सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा है। वहीं रॉयल्स बिना कोई जीत हासिल किए टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। बारिश के कारण करीब एक घंटे देर से शुरू हुए प्ले में लीग में अपनी पहली जीत की तलाश कर रही बुल्स को अपने पहले गोल के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। जैसे ही सर्कल में मौका बना, राहुल यादव ने गेंद पर जोरदार शॉट मारा, जिससे उनकी टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। पूरे मैच में कई मौके बनने के बावजूद 60 मिनट के खेल में यही एकमात्र गोल रहा। गोल मैदान में जब रॉयल्स की टीम बुल्स के हाफ में प्रवेश करने के लिए भी संघर्ष कर रही थी, तब बुल्स ने लगभग अपना दूसरा गोल कर ही लिया था। गोपाल पैकरा ने गेंद को गोलपोस्ट की तरफ मोड़ा, लेकिन अंपायर ने इस गोल को अमान्य करार दिया। हालात काफी खराब थे, फिर भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पास सही जगह तक नहीं पहुंच पा रहे थे और शॉट्स की

गति भी काफी कम हो गई थी। बुल्स के जसकरण को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दोनों बार गेंद को अंदर भेजने (इंजैक्शन) का तरीका सही नहीं रहा, जिससे कोई गोल नहीं हो सका। पहले हाफ के अंत तक, बुल्स एक गोल की बढ़त के साथ आगे थे। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भी खिलाड़ियों को बारिश से जूझना पड़ा। सर्कल में भरे पानी की वजह से फॉरवर्ड लाइन अपनी मनचाही रणनीति के साथ नहीं खेल पाई। कुल मिलाकर रॉयल्स के लिए पूरी लीग काफी निराशाजनक रही। रॉयल्स की टीम पेनल्टी कॉर्नर पर एक भी गोल नहीं कर सके, जो उनकी हार का सबसे बड़ा कारण रहा। इसके बावजूद हिमांशु को रफ्लेयर ऑफ द मैचर्स चुना गया, जबकि राहुल ने शस्टाइनर ऑफ द मैचर्स का पुरस्कार जीता। कम स्कोर वाले पहले मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। केतन की बदौलत नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर में खाता खोला, जबकि चौथे क्वार्टर में मोहित नायक ने टाइटन्स की वापसी कराई। इस नतीजे का मतलब यह है कि टाइटन्स को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।

करने के निर्देश दिए। इस दौरान नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री चंदन कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्य साई अस्पताल में सेवा दे रही छत्तीसगढ़ की बेटियों से मिले वित्त मंत्री

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज सत्य साई अस्पताल में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों बस्तर, कांकेर, कोंडागांव और पिथौरा से आई उन बेटियों से मुलाकात की, जो यहां सेवा दे रही हैं। उनसे मिलकर श्री चौधरी ने उनकी लगन और आत्मविश्वास को सराहा और कहा कि उन्हें देखकर गर्व का अनुभव हुआ। इस अवसर पर श्री चौधरी ने अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिलें, यह जरूरी है। श्री चौधरी ने बताया कि नवा रायपुर में आ रहे नए संस्थानों में भी प्रदेश के युवाओं को प्राथमिकता दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

संपादकीय

देश हर माह कुछ-कुछ न धार्मिक आयेोजन होते रहते है। भारत धर्मनिरपेक्ष देश और सभी को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है। धार्मिक आयेोजनों में सरकार पूरी तरह सहयोग भी करती है। फिर भी सरकार और प्रशासन धार्मिक आयेोजनों में व्यवस्था का पुरा जिम्मा आयेोजकों पर छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से पछ्र नहीं झाड़ सकते। ऐसे आयेोजनों के लिए स्पष्ट और सख्त सुरक्षा मानक लागू किए जाने चाहिए। भारत में धार्मिक आयेोजनों

का विशेष महत्व है। यहां प्रसिद्ध मंदिरों, तीर्थस्थलों, मेलों, धार्मिक यात्राओं और उत्सवों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। इस तरह के आयेोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूत करते हैं। मगर जब ऐसे आयेोजनों में भगदड़, आग लगने या अन्य हदसों के कारण लोगों की जान चली जाती है, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।हाल ही में पश्चिम बंगाल में कोलकाता के चेरबागान दुर्गा पूजा

श्रद्धालुओं को सुरक्षित रखने स्पष्ट और सख्त सुरक्षा मानक लागू हो

पंडाल में भगदड़ से उल्लोस लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया था। बीते मंगलवार को बिहार के सीवान जिले में दुर्गा पूजा पंडाल में आग लगने से पांच बच्चों समेत कम से कम दस लोग बुरी तरह झुलस गए। ऐसे में चिंता की बात यह है कि एक तरफ केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई-नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं, दूसरी ओर धार्मिक स्थलों और आयेोजनों में हदसों का सिलसिला

बढ़ता जा रहा है। सवाल है कि इस तरह के आयेोजनों और उनसे जुड़ी नीतियों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पहलु पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता है?गौरतलब है कि देश भर में धार्मिक स्थलों और अन्य जगह होने वाले धार्मिक आयेोजनों में हदसों के पीछे लगभग एक जैसे कारण होते हैं। जांच में मुख्य तौर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का एक ही स्थान पर पहुंचना, सीमित जगह, संकरे रास्ते, भीड़ को नियंत्रित करने के माकूल इंतजाम न होना,

बिजली-पानी की उचित व्यवस्था का अभाव और प्रशासनिक तालमेल की कमी जैसे कारक ही सामने आते हैं।कई बार आयेोजक श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का सही अनुमान नहीं लगा पाते, जिस कारण प्रवेश और निकास के रास्ते तथा सुरक्षा व्यवस्था भीड़ के अनुपात में अपर्याप्त साबित होते हैं। कुछ मामलों में अपवाहक की वजह से भी स्थिति बेकाबू हो जाती है। बिहार के सीवान में दुर्गा पूजा पंडाल में हुए आग के

हादसे की स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह सवाल कायम है कि आपात स्थिति में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वहां पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए थे? ऐसे क्या कारण रहे कि आग लगने पर बच्चों और महिलाओं को तत्काल सुरक्षित बाहर नहीं निकाला जा सका?पिछले सप्ताह मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के बाहर एक ट्रक से कुचले जाने पर पंद्रह श्रद्धालुओं की जान चली गई थी।

आंदोलन और विदेशी हाथ-बड़े आंदोलनों पर लगे आरोपों का इतिहास

17 अगस्त 2011 को कांग्रेस के कुछ नेताओं ने आंदोलन के पीछे विदेशी हथ होने की आशंका जताई। अमेरिकी विदेश विभाग ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को लेकर टिप्पणी की थी। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि अमेरिका को भारतीय आंदोलन पर बयान देने की जरूरत क्यों पड़ी। लेकिन अमेरिकी बयान और आंदोलन के संचालन के बीच कोई स्वतः सिद्ध संबंध नहीं था। अन्ना आंदोलन के मामले में विदेशी हाथ का आरोप राजनीतिक बहस का हिस्सा बना, पर इसे अमेरिका द्वारा संचालित आंदोलन कहने के लिए अलग प्रमाण चाहिए।

(सत्येंद्र प्रताप सिंह)

जेपी आंदोलन और आपातकाल से लेकर अन्ना आंदोलन, परमाणु परियोजनाओं के विरोध, एंटी-जीएम अभियान, सीएए विरोध, शाहीन बाग और किसान आंदोलन तक -हर बड़े आंदोलन पर विदेशी हाथ के आरोप क्यों लगते रहे हैं? खालिस्तान, पूर्वोत्तर के उग्रवादी संगठनों और माओवादी संपर्कों में बाहरी संपर्कों की चर्चा कितनी प्रमाणित है?हल में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर उठे विदेशी फंडिंग के आरोपों के पीछे ठोस सबूत हैं या यह राजनीतिक आरोप भर है? आखिर विदेशी फंडिंग, अंतरराष्ट्रीय समर्थन और विदेशी साजिश में क्या अंतर है? लोकतंत्र में आंदोलन सरकार की नीतियों के खिलाफ असहमति जताने का माध्यम है। कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठती है, कभी महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ, तो कभी किसी कानून या विकास परियोजना के विरोध में लोग सड़कों पर उतरते हैं। लेकिन जब आंदोलन सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बनता है, तो उसके पीछे बाहरी ताकतों की भूमिका का सवाल भी उठने लगता है। यह सिलसिला किसी एक राजनीतिक दल या सरकार तक सीमित नहीं रहा। अलग-अलग दौर में सत्ता में रहे नेताओं ने विदेशी हस्तक्षेप की आशंका जताई है। दूसरी ओर, आंदोलनकारी और विपक्षी दल कई बार इन आरोपों को जनता की वास्तविक समस्याओं से ध्यान हटाने का प्रयास बताते रहे हैं। यहां तीन बातों में अंतर समझना जरूरी है। विदेशी धन प्राप्त करना, किसी विदेशी व्यक्ति या संगठन से समर्थन मिलना और किसी विदेशी देश द्वारा आंदोलन संचालित किया जाना अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली दो बातें अपने आप तीसरी बात का प्रमाण नहीं बनतीं।

जेपी आंदोलन और आपातकाल विदेशी साजिश की पुरानी बहस: वर्ष 1974 में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में शुक्र हुआ आंदोलन भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन व्यवस्था के खिलाफ व्यापक असंतोष का प्रतीक बन गया। बिहार से शुरू हुई यह मुहिम धीरे-धीरे राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में पहुंच गई। जेपी ने इसे संपूर्ण क्रांति का नाम दिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई।25 जून 1975 को देश में आपातकाल घोषित किया गया। उस दौर में विदेशी साजिश और बाहरी ताकतों की भूमिका को लेकर भी राजनीतिक आरोप लगाए गए। इंदिरा गांधी के समय विदेशी हाथ, विशेषकर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की कथित भूमिका, राजनीतिक विमर्श का हिस्सा रही।इस दौर से एक सवाल निकलता है-क्या विदेशी साजिश का तर्क कभी-कभी राजनीतिक विरोध को कमजोर करने के लिए भी इस्तेमाल होता है? इस सवाल का उत्तर प्रत्येक घटना के तथ्यों के आधार पर ही दिया जा सकता है।

अन्ना हजारे आंदोलन-अमेरिका का नाम क्यों आया?: वर्ष 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने देशव्यापी समर्थन हासिल किया। जन लोकपाल की मांग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर से उठी आवाज ने तत्कालीन यूपीए सरकार को राजनीतिक



दबाव में ला दिया।17 अगस्त 2011 को कांग्रेस के कुछ नेताओं ने आंदोलन के पीछे विदेशी हाथ होने की आशंका जताई। अमेरिकी विदेश विभाग ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को लेकर टिप्पणी की थी। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि अमेरिका को भारतीय आंदोलन पर बयान देने की जरूरत क्यों पड़ी। लेकिन अमेरिकी बयान और आंदोलन के संचालन के बीच कोई स्वतः सिद्ध संबंध नहीं था। अन्ना आंदोलन के मामले में विदेशी हाथ का आरोप राजनीतिक बहस का हिस्सा बना, पर इसे अमेरिका द्वारा संचालित आंदोलन कहने के लिए अलग प्रमाण चाहिए।

कुडनकुलम विदेशी फंडिंग और विरोध का विवाद : तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु बिजली परियोजना के खिलाफ 2011-12 में बड़े प्रदर्शन हुए। स्थानीय लोगों और मधुआरों ने संयंत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। नवंबर 2011 में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने आंदोलन में भू-राजनीतिक और बाजार संबंधी ताकतों की भूमिका की आशंका जताई।

जैतापुर और एंटी-जीएम आंदोलन- पर्यावरण से कृषि तक : महाराष्ट्र के जैतापुर में प्रस्तावित परमाणु बिजली परियोजना के खिलाफ भी स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। विदेशी वित्तपोषित संगठनों की भूमिका को लेकर इस तरह की परियोजनाओं पर व्यापक राजनीतिक बहस हुई। हालांकि, जैतापुर आंदोलन के विदेशी नियंत्रण की निर्णायक पुष्टि का आधार अलग से सामने रखना जरूरी है।

सीएए विरोध और शाहीन बाग आंदोलन या वैश्विक साजिश ?: दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन शुरू हुए। दिल्ली के शाहीन बाग में महिलाओं का भरना इस आंदोलन का प्रमुख प्रतीक बना। कानून को लेकर संवैधानिक अधिकारों, नागरिकता और भेदभाव की आशंकाओं पर देशव्यापी बहस हुई। इसी दौरान कुछ राजनीतिक नेताओं ने आंदोलन को साजिश और वैश्विक

नेटवर्क से जोड़ने वाले आरोप लगाए। फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के बाद पुलिस ने कथित साजिश से संबंधित मामले दर्ज किए। लेकिन दंगों की जांच में लगाए गए आरोपों को पूरे सीएए विरोधी आंदोलन पर लागू नहीं किया जा सकता।यहां भी सवाल यही है कि क्या किसी विशेष घटना में कथित साजिश का आरोप पूरे आंदोलन के विदेशी नियंत्रण का प्रमाण बन सकता है? इसका उत्तर नहीं है। किसी मामले में आरोप, जांच और न्यायिक रूप से सिद्ध तथ्य अलग-अलग चरण हैं।

किसान आंदोलन विदेशी हस्तियों की टिप्पणियाँ से बड़ी बहस: वर्ष 2020-21 में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने दिल्ली की सीमाओं पर लंबा आंदोलन किया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित कई क्षेत्रों के किसान संगठनों ने इन कानूनों को लेकर आशंकाएं जताईं। आंदोलन के दबाव में केंद्र सरकार ने नवंबर 2021 में तीनों कानूनों को वापस लेने की घोषणा की।फरवरी 2021 में रिहाना और ग्रेटा थनबर्ग जैसी विदेशी हस्तियों ने किसान आंदोलन पर टिप्पणियां कीं। इसके बाद विदेशी हस्तियों की भूमिका और भारत के आंतरिक मामलों पर अंतरराष्ट्रीय टिप्पणियों को लेकर विवाद बढ़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में 'फॉरेन डिस्ट्रक्टिव आइडियोलॉजी' यानी विदेशी विनाशकारी विचारधारा का उद्घेख किया। लेकिन विदेशी हस्तियों का समर्थन और किसी देश द्वारा आंदोलन का संचालन अलग बातें हैं। किसी आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय चर्चा मिलना अपने आप विदेशी साजिश साबित नहीं करता।

खालिस्तान, पूर्वोत्तर और माओवादी संघर्ष सुरक्षा का अलग सवाल: विदेशी हाथ की बहस केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शनों तक सीमित नहीं रही। खालिस्तान आंदोलन के संदर्भ में विदेशों में सक्रिय अलगाववादी संगठनों, पाकिस्तान से कथित समर्थन और सीमा पार नेटवर्क की भूमिका पर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी विदेशी फंडिंग के

आरोप और बाहरी हस्तक्षेप का सवाल : कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर विदेशी फंडिंग और बाहरी हस्तक्षेप के आरोपों को भी इसी व्यापक राजनीतिक संदर्भ में देखा जा सकता है। जब किसी संगठन या आंदोलन की गतिविधियां राजनीतिक बहस का केंद्र बनती हैं, तो उसके वित्तीय स्रोतों और संभावित बाहरी संपर्कों पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन सवाल उठना और आरोप साबित होना अलग-अलग बातें हैं। इसलिए

यह देखना जरूरी है कि आरोप किसने लगाए, उनके समर्थन में क्या दस्तावेज या साक्ष्य पेश किए गए और जांच एजेंसियों की ओर से क्या आधिकारिक जानकारी सामने आई।सीजेपी के मामले को दूसरे

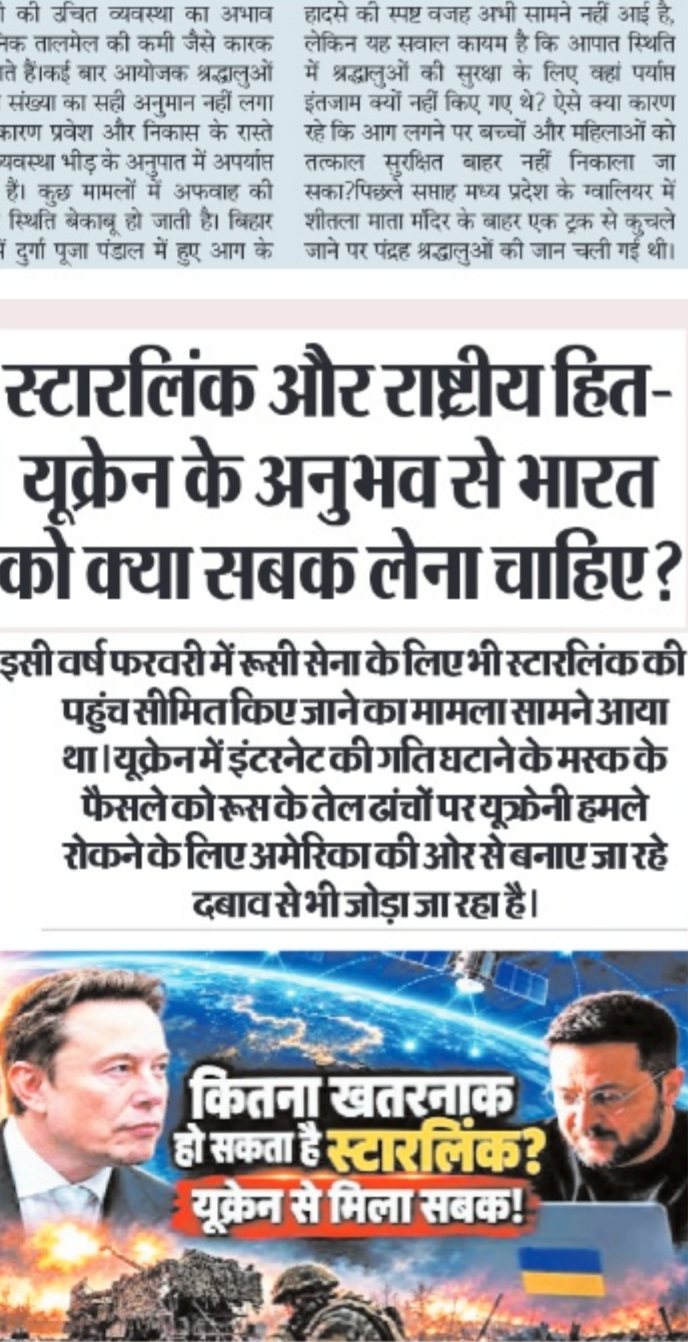
आंदोलनों से जोड़ते समय भी वही कसौटी लागू होनी चाहिए। क्या विदेशी धन मिलने का कोई प्रमाण है? क्या किसी विदेशी संगठन की सहायता के दस्तावेज सामने आए हैं? या मामला केवल राजनीतिक आरोपों तक सीमित है? जब तक ठोस प्रमाण सामने न आए, विदेशी हाथ की बात को आरोप के रूप में ही प्रस्तुत करना चाहिए। यही इस ब्लॉग का मूल सवाल भी है-भारत में आंदोलनों के पीछे विदेशी साजिश के आरोप बार-बार क्यों लगते हैं, और उनमें से कितने आरोप प्रमाणां की कसौटी पर खरे उतरते हैं?

विदेशी हाथ के आरोप राजनीति का पुराना सिलसिला: इन सभी उदाहरणों को साथ रखकर देखें तो एक समान राजनीतिक सवाल उभरता है। जेपी आंदोलन के दौर में विदेशी साजिश की चर्चा हुई। अन्ना हजारे आंदोलन में अमेरिका का नाम आया। कुडनकुलम और जीएम फसलों के मामले में विदेशी वित्तपोषित एनजीओ की भूमिका पर सवाल उठे। सीएए विरोध और किसान आंदोलन में भी बाहरी ताकतों का मुद्दा राजनीतिक विमर्श में शामिल हुआ।हालांकि, इन सभी मामलों में विदेशी हाथ होने की पुष्टि का दावा नहीं किया जा सकता। कुछ मामलों में विदेशी वित्तपोषण की जांच हुई, कुछ में विदेशी हस्तियों ने समर्थन दिया और कुछ में राजनीतिक नेताओं ने आशंकाएं जताईं। इन सभी को एक ही श्रेणी में रखना तथ्यों के साथ न्याय नहीं होगा।लोकतंत्र में विदेशी हस्तक्षेप की वास्तविक आशंकाओं की जांच जरूरी है। विदेशी धन से जुड़े कानूनों का उल्लंघन हो तो कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन सरकार की नीतियों का विरोध करना देश का विरोध करना नहीं है। आंदोलन की मांगों पर विचार करने के बजाय उसके पीछे विदेशी ताकत तलाशना भी मूल सवालों से ध्यान हटा सकता है।अंततः सवाल यह नहीं है कि विदेशी हाथ का आरोप कितनी बार लगा। सवाल यह है कि आरोप के समर्थन में क्या प्रमाण सामने आए और क्या उन प्रमाणों की निष्पक्ष जांच हुई?भारत के राजनीतिक इतिहास में विदेशी साजिश के आरोपों का यह सिलसिला बताता है कि सत्ता और आंदोलन के बीच संघर्ष में यह मुद्दा बार-बार लौटता रहा है। लेकिन किसी आंदोलन को विदेशी नियंत्रण में बताने के लिए राजनीतिक बयान नहीं, ठोस प्रमाण चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि वह विदेशी हस्तक्षेप की आशंकाओं की जांच करे और साथ ही असहमति के अधिकार की रक्षा भी करे।

यह लेखक के निजी विचार हैं

स्टारलिक और राष्ट्रीय हित-यूक्रेन के अनुभव से भारत को क्या सबक लेना चाहिए?

इसी वर्ष फरवरी में रूसी सेना के लिए भी स्टारलिक की पहुंच सीमित किए जाने का मामला सामने आया था। यूक्रेन में इंटरनेट की गति घटाने के मस्क के फैसले को रूस के तेल ढांचों पर यूक्रेनी हमले रोकने के लिए अमेरिका की ओर से बनाए जा रहे दबाव से भी जोड़ा जा रहा है।



(निर्मल कांत)

भारत में अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की उपग्रह-इंटरनेट सेवा स्टारलिक को लेकर चल रही तोखी बहस के बीच यूक्रेन में उसके सैन्य संचार में आई बाधाओं की खबरों ने यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि जब एक देश की संचार व्यवस्था किसी निजी विदेशी कंपनी की तकनीकी पर निर्भर हो जाए, तो राष्ट्रीय सुरक्षा व रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा कैसे हो सकती।

इसमें कोई संदेह नहीं कि रूस के हमले के बाद यूक्रेन में स्टारलिक ने संचार व्यवस्था को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन, यूक्रेन के इस आरोप की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि स्टारलिक के हार्डस्पॉट टर्मिनलों पर अप्रत्याशित प्रतिबंधों के कारण उसकी सैन्य इकाइयों को संचार संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ा। इसी वर्ष फरवरी में रूसी सेना के लिए भी स्टारलिक की पहुंच सीमित किए जाने का मामला सामने आया था। यूक्रेन में इंटरनेट की गति घटाने के मस्क के फैसले को रूस के तेल ढांचों पर यूक्रेनी हमले रोकने के लिए अमेरिका की ओर से बनाए जा रहे दबाव से भी जोड़ा जा रहा है।

इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि भले जरूरी हो, पर यह आशंका ही बताती है कि तकनीक का संचालन करने वाली

कंपनी के फैसले किस तरह अंतरराष्ट्रीय राजनीति से प्रेरित हो सकते हैं। यही वह पहलु है, जिसे भारत को भी स्टारलिक के संदर्भ में फैसला लेते वक्त गंभीरता से देखना चाहिए। स्टारलिक जैसी सेवाएं निस्संदेह देश के उन क्षेत्रों में इंटरनेट पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन सकती हैं, जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क बिछाना कठिन या महंगा है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जब पारंपरिक संचार व्यवस्था बाधित हो जाती है, तब ऐसी सेवाएं राहत और बचाव कार्यों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं। मस्क भारत में सस्ते प्लान लाने की बात भी कह चुके हैं।

जाहिर है कि स्टारलिक के आने से

इंटरनेट कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ने से उपभोक्ताओं को फायदा मिल सकता है। मगर, भारत में संचालन के लिए उसे देश के कानूनों व नियामकीय शर्तों को स्वीकार करना होगा। हालांकि, सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि विदेशी उपग्रह-इंटरनेट स्वदेशी दूरसंचार क्षमताओं का पूरक बने, न कि उनका विकल्प। यूक्रेन के आरोपों के मद्देनजर भारत के लिए सबक स्पष्ट है कि तकनीक का स्वागत हो, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता की कीमत पर कवाई नहीं।

शरद पूर्णिमा की रात भूलकर भी न करें ये काम, क्या करें और क्या नहीं

(पिनाकी मिश्रा)



बेहद शुभ फल प्राप्त होता है।

चंद्रमा के मंत्रों का करे जप : अपने जीवन में चंद्रमा की अनुकूलता बनाए रखने और जीवन में सुख-शांति के लिए आप शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा के मंत्रों का जप भी कर सकती हैं। ओम सोम सोमाय नमः मंत्र का कम से कम 108 बार जप अवश्य करें। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, चंद्रमा के मंत्रों का जप करने से मन शांत होता है और भावनात्मक संतुलन बना रहता है। इसके लिए कोई भी उपाय पूरी श्रद्धा और विधि के साथ करना आवश्यक माना जाता है।

जरूर करें दान: आश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि पर दान का भी बहुत विशेष महत्व बताया गया है। ऐसे में आप अपने सामर्थ्य अनुसार, किसी जरूरतमंद अथवा असहाय व्यक्ति को भोजन, वस्त्र, चावल या अन्य किसी उपयोगी वस्तुओं का दान कर सकते हैं। धार्मिक परंपराओं में दान को पुण्य, सेवा और उदारता से जोड़ा जाता है। पुराणों में भी पूर्णिमा तिथि पर दान करना अत्यंत पुण्यकारी बताया गया है। ऐसे में दान करते समय सबसे अधिक महत्व श्रद्धा और सेवा भाव दिया जाता है।

क्रोध और कटु वाणी का न करें प्रयोग: ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा बताते हैं कि ज्योतिष में चंद्रमा को मन और भावनाओं का कारक माना जाता है। इसलिए शरद पूर्णिमा के दिन मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन बनाए रखना चाहिए। ऐसे में भूलकर भी इस दिन कटु वाणी का प्रयोग न करें। अपने परिवार में अनावश्यक विवाद से बचें और असहाय व्यक्ति को अपमान भी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकते

पूर्णिमा पर दूध और चावल से खीर बनाने की परंपरा होती है।

इस दिन कई स्थानों और घरों में खीर को पूर्णिमा की रात चंद्रमा की रेशनी में रखा जाता है। इस

दौरान खीर की स्वच्छता और

सुरक्षा का ध्यान रखें और इसे

किसी छलनी से जरूर ढक दें।

कहते हैं कि ऐसा करने से अमृत

का अंश खीर में आ जाता है। इसे

अगले दिन सुबह माता लक्ष्मी

अथवा अपने आराध्य देव को

अर्पित करके परिवार सहित

प्रसाद के रूप में खाने की परंपरा

है। मान्यता है कि ऐसा करने से

बेहद शुभ फल प्राप्त होता है।

माता लक्ष्मी की करें पूजा : मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के दिन ही माता लक्ष्मी का प्राकट्य समुद्र मंथन से हुआ था। वहीं, लक्ष्मीनारायण इस रात गरुड़ पर सवार होकर पृथ्वी का भ्रमण करते हैं। ऐसे में शरद पूर्णिमा की शाम श्रद्धाभाव के साथ विधिपूर्वक माता लक्ष्मी

और विष्णुजी की पूजा जरूर करनी चाहिए। ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा बताते हैं कि पूर्णिमा के दिन शाम को घर और पूजा स्थल स्वच्छ करके माता लक्ष्मी की पूजा का। फिर, देवी को पुष्प, फल, मिठाई और अपनी श्रद्धा के अनुसार नैवेद्य अर्पित करें। ज्योतिषीय एवं धार्मिक मान्यताओं में इस रात को समृद्धि, शुभता और आर्थिक उन्नति की कामना के लिए बहुत विशेष माना गया है।

चंद्रमा को अर्घ्य दें और पूजन करें:

मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और अपनी किरणों से अमृत बरसाता है। साथ ही, पूर्णिमा के व्रत में चंद्र दर्शन और पूजा का भी विशेष महत्व बताया गया है। ज्योतिष में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक संतुलन का

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद द्वारा साइबर अपराध सुरक्षित बचपन अभियान एवं नालसा शिक्षा योजना पर

एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बालोद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन से जिले में साइबर अपराध, सुरक्षित बचपन अभियान एवं नालसा शिक्षा योजना 2026 पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ श्याम लाल नवरत्न, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद के द्वारा किया गया।

कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य साइबर अपराधों के प्रति जनसामान्य में जागरूकता विकसित करना, बच्चों के अधिकारों एवं संरक्षण से संबंधित विधिक प्रावधानों का प्रचार-प्रसार करना है। कार्यशाला के दौरान साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप एवं उनसे संबंधित चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, फर्जी कॉल, ओटीपी के माध्यम से होने वाली आर्थिक ठगी तथा व्यक्तिगत एवं गोपनीय जानकारी के दुरुपयोग के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही, साइबर सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करने, संदिग्ध लिंक से बचने, संवेदनशील जानकारी साझा नहीं करने तथा



साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल संबंधित प्राधिकरण के समक्ष शिकायत दर्ज कराने की आवश्यकता पर बल दिया गया। सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत बाल अधिकारों के संरक्षण, बाल शोषण एवं उत्पीड़न की रोकथाम तसाइबर अपराधों की रोकथाम, बाल संरक्षण एवं विधिक जागरूकता के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत बाल अधिकारों के संरक्षण, बाल शोषण एवं उत्पीड़न की रोकथाम तथा बच्चों के लिए सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित किया

गया। बच्चों के सर्वोत्तम हितों की रक्षा तथा उनके समुचित विकास के लिए अभिभावकों, शैक्षणिक संस्थानों, प्रशासन एवं समाज की सक्रिय सहभागिता को आवश्यक बताया गया। कार्यशाला के माध्यम से बाल संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने तथा बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों में समयबद्ध हस्तक्षेप एवं उचित सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इसी क्रम में नालसा शिक्षा योजना 2026 के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए विधिक साक्षरता के विस्तार, पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सेवाएं उपलब्ध कराने तथा

समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को उनके विधिक अधिकारों से अवगत कराने में विधिक सेवा संस्थाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को विधिक जागरूकता के माध्यम से नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने तथा न्याय तक उनकी सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व से अवगत कराया गया। उक्त कार्यशाला में कृष्ण कुमार सूर्यवंशी, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एफटी.एस.सी. (पॉक्सो कोर्ट) बालोद, संजय कुमार सोनी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बालोद, सु भारतीय कुलदीप, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद, सतप्रीत कौर छाबड़ा, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी एवं अध्यक्ष, किशोर न्याय बोर्ड बालोद, मती हीरा सिन्हा, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बालोद, कुसुमांजलि सिन्हा, प्रथम अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बालोद, अंजुम आरा, द्वितीय अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बालोद एवं संबंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

तथा पैरालीगल वॉलंटियर्स भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।



नजर-लोक निर्माण विभाग, मंत्रालय (महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर) द्वारा 28 अक्टूबर 2026 को जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्यामबिहारी जायसवाल पूरी तरह से मुस्तीद नजर आ रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में यह विश्वास दिलाया है कि एमसीबी जिले का हक और अधिकार किसी भी कीमत पर छिन्ने नहीं दिया जाएगा। जनता के विकास और उनकी क्षेत्रीय अस्मिता के लिए वे हमेशा से सदैव तत्पर रहे हैं और आगे भी अपनी पूरी प्रतिबद्धता के साथ डटे रहेंगे।

विभागीय आदेश और प्रशासनिक फेरबदल पर एक

कसावट में कोई रुकावट न आए। पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई: अवर सचिव मनराखन भूआर्य के हस्ताक्षर से जारी इस आदेश की प्रतियां प्रमुख अभियंता, कलेक्टर, और जिला कोषाधिकारी सहित तमाम संबंधित विभागों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।

जनता के प्रति अटूट निष्ठा- स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के इस मुखर और सकारात्मक रुख से मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जनता में भारी उत्साह और संतोष का माहौल है। मंत्री जायसवाल ने यह साबित कर दिया है कि उनके लिए जनता का हित सर्वोपरि है और वे अपने क्षेत्र के अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार हैं।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान : 29 बालिकाओं ने किया शासकीय कार्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण

एमसीबी। बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की समझ विकसित करने के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (टी-सेवर्न) की 29 बालिकाओं को विभिन्न शासकीय कार्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बालिकाओं को सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला बाल संरक्षण इकाई, किशोर न्याय बोर्ड, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं बाल कल्याण समिति की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं की मिली जानकारी -



भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने बालिकाओं को महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों और संरक्षण के लिए संवाचित व्यवस्थाओं से अवगत कराया। उन्होंने महिला हेल्पलाइन नंबर 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की उपयोगिता तथा जरूरत पड़ने पर सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। इसके साथ ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, मिशन वात्सल्य, स्पॉन्सरशिप योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और बाल विवाह की रोकथाम से संबंधित

महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए किया प्रेरित -कार्यक्रम में बालिकाओं को शिक्षा का महत्व, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, साइबर सुरक्षा, यातायात सुरक्षा, स्वच्छता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने उन्हें अपने लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

अधिकारियों से संवाद कर

समझी प्रशासनिक कार्यप्रणाली - शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बालिकाओं ने अधिकारियों से संवाद कर शासकीय सेवाओं एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जुड़े सवाल पूछे। अधिकारियों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए व्यावहारिक जानकारी दी। यह पहल बालिकाओं के ज्ञानवर्धन, व्यक्ति विकास और आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

स्वल्पाहार के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

पीएम केयर्स योजना के लाभार्थी बच्चों से मिलीं कलेक्टर संतन देवी जांगड़े, स्वास्थ्य और शिक्षा की ली जानकारी

एमसीबी। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट संतन देवी जांगड़े ने पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभार्थी बच्चों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक परिस्थितियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बच्चों और उनके परिजनों से आत्मीय संवाद किया तथा बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा द्वारा आयोजित त्रैमासिक बैठक में कलेक्टर ने बच्चों की पढ़ाई, नियमित स्वास्थ्य जांच और दैनिक आवश्यकताओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करते हुए उनके बेहतर भविष्य के लिए उचित देखभाल



और स्वास्थ्य सुविधाओं को आवश्यक बताया।

मिशन वात्सल्य योजना की भी हुई समीक्षा

बैठक में मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत स्पॉन्सरशिप से संबंधित कार्यवाही की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सहायता और उनके

संरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही, परिजनों से संवाद कर बच्चों की वर्तमान स्थिति और आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने संबंधित विभागों और परिवारों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया।

हर महीने हो रही बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

बैठक में जिला बाल संरक्षण अधिकारी एवं संरक्षण अधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख), योजना के लाभार्थी बच्चे एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

मनेन्द्रगढ़। भारतीय जनता पार्टी एम सी बी जिला अध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले ने संस्कृत भाषा के आदि कवि एवं सनातन संस्कृति के अमर ग्रंथ 'रामायण' के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की पावन जयंती के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन और उनकी कृतियाँ मानवता के लिए युगों-युगों तक प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने प्रभु श्री राम के आदर्श चरित्र, सत्य, मर्यादा, धर्म और समरसता के मानवीय मूल्यों को रामायण के रूप में लोकमानस के सामने प्रस्तुत कर समाज को एक शाश्वत दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन यह दिव्य संदेश देता है कि दृढ़ संकल्प, ज्ञान और साधना के बल पर जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर परम



चेतना और महत्ता को प्राप्त किया जा सकता है।

उनका समरसता और समानता का चिंतन आज के समय में समाज को एकजुट रखने और राष्ट्र निर्माण में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर प्रभु श्री राम के मर्यादा, न्याय और सामाजिक सद्भाव के आदर्शों को अपने आचरण में उतारने तथा एक समरस व सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लें।

बारिश प्रभावित ग्रामों में सतर्कता, राहत शिविरों और राशन की व्यवस्था सुनिश्चित

● कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार अधिकारियों ने संभावित प्रभावित ग्रामों का किया भ्रमण, ग्रामीणों को सतर्क रहने की दी समझाइश

बालोद। जिले में संभावित भारी बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार संभावित प्रभावित ग्रामों में ग्रामीणों की सुरक्षा, राहत एवं बचाव की तैयारियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में आज जनपद सीईओ गुल्फर पीएल धुर्वे ने संभावित रूप से प्रभावित ग्राम धनेली, मुड़ुपार, बासीन, अकलतरा और फगुन्दाह का भ्रमण कर ग्रामीणों से चर्चा



की। उन्होंने भारी बारिश के दौरान सतर्क रहने, जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन को तत्काल सूचना देने की समझाइश दी।

राहत शिविर चिह्नित, राशन की व्यवस्था सुनिश्चित

संभावित आपदा की स्थिति में ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर उठराने के लिए ग्राम पंचायतों द्वारा राहत शिविरों का चिह्निकन कर लिया गया है। साथ ही, जरूरत पड़ने पर प्रभावित परिवारों को उपलब्ध सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रति पंचायत एक किंटल राशन सहित आवश्यक

राहत सामग्री की व्यवस्था भी की गई है।

सुरक्षा और राहत व्यवस्था पर विशेष ध्यान

जिला प्रशासन द्वारा संभावित भारी बारिश के महेनजर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे मौसम संबंधी चेतावनियों को गंभीरता से लें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन लें। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार प्रशासन का उद्देश्य संभावित आपदा के दौरान जनहानि को रोकना, प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ पहले से सुनिश्चित करना है।

बाढ़ आपदा से निपटने तैयार हो रही जल मित्रों की टीम, 57 लोगों को विशेष प्रशिक्षण

● डूबते लोगों को बचाने से लेकर मोटर बोट संचालन तक सिखाए जा रहे बचाव के गुर

बिलासपुर। बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जनहानि रोकने और त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर जल मित्रों की टीम तैयार की जा रही है। इसके लिए जिले के विभिन्न अनुभागों एवं तहसीलों से चयनित 57 कोटवारों, मल्लुआरों, गोताखोरों और कुशल तैराकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य आपदा की स्थिति में स्थानीय स्तर पर ही प्रशिक्षित लोगों की मदद से तत्काल बचाव कार्य शुरू करना और जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाना है। अग्निशमन, आपातकालीन सेवाएँ एवं एएसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र, परसदा में 26 से 30 अक्टूबर तक



आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बाढ़ से बचाव की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान मोटर बोट (ओबीएम) के संचालन, पानी में डूबते लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने, तैराकी की विभिन्न तकनीकों तथा लाइफ जैकेट और लाइफ बॉय के सही उपयोग की जानकारी दी जा रही है। साथ ही राहत एवं बचाव कार्य में उपयोग होने वाले उपकरणों और सामग्रियों

से भी प्रशिक्षणार्थियों को परिचित कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से जिले में ऐसे जल मित्रों की टीम विकसित की जा रही है, जो बाढ़ एवं जलभराव जैसी आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई कर लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित बचाव दल की उपलब्धता से आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्रशिक्षणार्थी भी पूरे उत्साह के साथ बचाव की तकनीकें सीख रहे हैं।

केल्हारी सड़क हादसा : मनेंद्रगढ़ अस्पताल में 22 घायल डिस्चार्ज, तीन मरीजों के ऑपरेशन की तैयारी

हादसे के 5 दिन में ही राहत की सांस, 22 मरीज इलाज लेकर लौटे घर, 3 का उपचार जारी, 7 आंख की तो 7 कान नाक गले की हुई सर्जरी

मनेन्द्रगढ़। केल्हारी सड़क हादसे में घायल लोगों के उपचार के दौरान मनेंद्रगढ़ स्थित 220 बिस्तरों पर अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था महत्वपूर्ण रही। हादसे में घायल 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से 26 मरीजों का उपचार यहाँ चिकित्सकों की निगरानी में किया जा रहा था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन मरीजों को उपचार के लिए दूसरे बड़े अस्पताल में रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक, 22



मरीजों को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि तीन मरीजों के हड्डी संबंधी ऑपरेशन की तैयारी की जा रही है। घायलों के उपचार संबंधी रिकॉर्ड में आंखों की फ्लकों, आंखों के आसपास, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटों का उल्लेख है। कई मरीजों के घावों की सिलाई यानी टांके लगाने की प्रक्रिया भी की

गई।

आंखों और चेहरे की चोटों का किया गया उपचार-अस्पताल की हस्तलिखित चिकित्सा सूची में दर्ज मरीजों के नाम और उपचार का विवरण के अनुसार - 1. रोहन, उम्र लगभग 12 वर्ष: बाई आंख की निचली पलक के किनारे पर चोट थी। इसके उपचार में निचली पलक के घाव की मरम्मत और टांके लगाने का उल्लेख है।

2. सुहागिया बाई (नाम की पुष्टि आवश्यक): बाई आंख के आसपास सूजन और आंख के बाहरी हिस्से में कटने का घाव दर्ज है। रिकॉर्ड में घाव की सिलाई किए जाने का उल्लेख मिलता है।

3. श्याममती, उम्र लगभग 35

वर्ष: बाई आंख के अंदरूनी कोने के पास कटने का घाव दर्ज है। इसके उपचार में टांके लगाने की प्रक्रिया का उल्लेख है।

4. शिवनाथ सिंह: दाईं ओर सूजन और खरोंच अथवा चर्पण से संबंधित चोट का विवरण लिखा हुआ दिखाई देता है।

5. धनजी राम, उम्र लगभग 62 वर्ष: बाई ओर सूजन और चोट का उल्लेख है। घाव के सटीक विवरण की अस्पताल के रिकॉर्ड से पुष्टि की जानी चाहिए।

6. सोमनाथ, उम्र लगभग 35

वर्ष: बाई आंख की ऊपरी पलक के बाहरी हिस्से में कटने का घाव और सूजन दर्ज है। रिकॉर्ड में घाव की सिलाई किए जाने का उल्लेख है।

7. धनीराम (नाम की पुष्टि आवश्यक), उम्र लगभग 50 वर्ष: बाई आंख की ऊपरी पलक पर कटने का घाव दर्ज है। इसके उपचार में टांके लगाए जाने का उल्लेख मिलता है।

वहीं अन्य घायलों के रिकॉर्ड में चेहरे और नाक की चोटों का भी उल्लेख-अस्पताल की दूसरी उपचार पंची में ईएनटी यानी कान,

नाक एवं गला विभाग से संबंधित परीक्षण और चेहरे की चोटों का विवरण भी दिखाई देता है। इसमें चेहरे पर चोट, नाक में चोट, आंख के अंदरूनी कोने के पास छोटा घाव तथा गाल, माथे, टुड्डी और कलाई के आसपास सूजन जैसी प्रविष्टियां दर्ज हैं। कुछ मरीजों के सामने डिस्चार्ज किए जाने का उल्लेख भी अंकित है।

दो वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा पिछले दो वर्षों में क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को

सुदृढ़ करने की दिशा में किए गए प्रयासों के बीच 220 बिस्तरों पर अस्पताल में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तकनीशियनों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सड़क दुर्घटना जैसी आपातकालीन स्थिति में घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती होती है। आंखों और चेहरे के आसपास की चोटों में विशेषज्ञ परीक्षण, घाव की उचित मरम्मत तथा जरूरत के अनुसार आगे की चिकित्सा व्यवस्था आवश्यक होती है।

संक्षिप्त समाचार

समपार संख्या-361 (परसदा फाटक)
पर रोड ओवरब्रिज निर्माण कार्य में
महत्वपूर्ण उपलब्धि



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा एवं सुविधा बढ़ाने की दिशा में निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अत्यधिक सड़क यातायात वाले मार्गों पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान होने वाली असुविधाओं को समाप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न समपार फाटकों पर रोड ओवरब्रिज रोड अंडरब्रिज एवं लिमिटेड हाइट सबवे (सास) का निर्माण किया जा रहा है, ताकि यातायात को सुरक्षित रूप से वैकल्पिक मार्ग प्रदान किया जा सके। इसी क्रम में मंडल के जयरामनगरडुमगातीरा स्टेशनों के मध्य किमी 706/21-33 पर स्थित समपार संख्या 361 (परसदा फाटक) पर रोड ओवरब्रिज निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस रोड ओवरब्रिज निर्माण कार्य की प्रक्रिया को गति प्रदान करते हुए 36-36 मीटर लंबे चार कंपोजिट गर्डरों की सफल लॉन्चिंग पूरी कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। यह महत्वपूर्ण कार्य गति शक्ति इकाई के इंजीनियरों की देखरेख में सुनियोजित कार्ययोजना, तकनीकी दक्षता और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ पूरा किया गया। गर्डर लॉन्चिंग के लिए 500 टन क्षमता वाली क्रेनों का उपयोग किया गया। संपूर्ण लॉन्चिंग कार्य दो ट्रेफिक ब्लॉक में, प्रत्येक 1 घंटे 30 मिनट की अवधि में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। गर्डरों की सफल लॉन्चिंग के साथ ही इस रोड ओवर ब्रिज निर्माण का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है। एप्रोच रोड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। एप्रोच रोड निर्माण पूर्ण होते ही परसदा फाटक से होकर गुजरने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं एवं वाहनों को सुरक्षित, संरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल यात्रियों एवं सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में अनुकंपा
नियुक्ति के लिए दावा-आपत्ति आमंत्रित

बिलासपुर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बिलासपुर द्वारा अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है। बैंक की स्टाफउप समिति की 6 अक्टूबर 2026 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार अनुकंपा नियुक्ति के संबंधित प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत दो आवेदकों की सूची जारी कर आम जनता एवं संबंधित पक्षों से दावा-आपत्ति मंगाई गई है। बैंक द्वारा अनुकंपा नियुक्ति के लिए जारी सूची में स्वर्गीय प्रजेश सिंह चंदेल की पत्नी श्रीमती रंजिता सिंह, निवासी कोसा, तहसील पामगढ़, जिला जांजगीर-चांपा तथा स्वर्गीय जितेंद्र पाण्डेय के पुत्र श्री विवेक पाण्डेय, निवासी जोरापारा, सरकंडा, बाल्टी फेक्ट्री के पीछे जिला-बिलासपुर के नाम शामिल हैं। दोनों आवेदकों ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। बैंक द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत इनके प्रकरणों पर सहमति के आधार पर विचार किया गया है। बैंक प्रबंधन ने बताया कि संबंधित आवेदकों अथवा उनके आश्रित परिवार के किसी सदस्य के संबंध में कोई अपराधिक या न्यायालयीन प्रकरण लंबित होने, परिवार का कोई सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत होने अथवा अन्य किसी प्रकार की आपत्ति की जानकारी होने पर सात दिनों के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है। दावा-आपत्ति बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अथवा जिले में स्थित बैंक के नोडल कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित रूप में प्रस्तुत की जा सकती है। कार्यालय में पत्र व्यवहार हेतु ई-मेल आईडी अथवा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, नेहरू चौक बिलासपुर पिन कोड 495001 में जानकारी प्रेषित कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में प्राप्त दावा-आपत्तियों का नियमानुसार निराकरण करने के बाद अनुकंपा नियुक्ति की आगामी कार्रवाई की जाएगी।

स्पेशल कैम्पेन 6 के अंतर्गत एसईसीएल ने निर्धारित लक्ष्यों को
किया पार,स्क्रेप निपटान से अर्जित किए 26.17 करोड़ रुपए...

■ 226 स्थलों पर 47 लाख वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में स्वच्छता कार्य, 4,602 मीट्रिक टन स्क्रेप का निपटान

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने स्पेशल कैम्पेन 6 के अंतर्गत स्वच्छता, स्क्रेप निपटान, स्थान के बेहतर उपयोग एवं रिकॉर्ड प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज करते हुए कई निर्धारित लक्ष्यों को समय से पहले पार कर लिया है। एसईसीएल ने निर्धारित 225 स्थलों के लक्ष्य के मुकाबले 226 स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियाँ संचालित की हैं। इस दौरान 40 लाख वर्गफुट के लक्ष्य के विरुद्ध 47 लाख वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में स्वच्छता कार्य किया गया है। अभियान के अंतर्गत

एसईसीएल ने 3,300 मीट्रिक टन के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 4,602 मीट्रिक टन स्क्रेप का निपटान कर लगभग 26.17 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है। यह उपलब्धि संसाधनों के बेहतर उपयोग, व्यवस्थित स्क्रेप निपटान एवं कार्यस्थलों के प्रभावी प्रबंधन की दिशा में कंपनी के प्रयासों को दर्शाती है। रिकॉर्ड प्रबंधन एवं लॉबिटर प्रकरणों के निपटान में उल्लेखनीय प्रगति- स्पेशल कैम्पेन 6 के अंतर्गत एसईसीएल ने भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक फाइलों के प्रबंधन में भी निर्धारित लक्ष्यों से अधिक उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने 500 भौतिक फाइलों की समीक्षा के लक्ष्य के विरुद्ध 2,100 फाइलों की समीक्षा की है, जबकि 200 के लक्ष्य के मुकाबले 872 भौतिक फाइलों की नियमानुसार छंटनी कर उन्हें रिकॉर्ड से हटाया गया है। इसी प्रकार, 7,000 ई-फाइलों की समीक्षा के लक्ष्य के विरुद्ध 14,215 ई-फाइलों की समीक्षा की



गई है। वहीं 3,000 ई-फाइलों को बंद करने के लक्ष्य के मुकाबले 13,708 ई-फाइलों का निस्तारण किया गया है। इन प्रयासों से प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक सुव्यवस्थित बनाने, लॉबिटर मामलों के निपटान एवं सुशासन को बढ़ावा देने में सहायता मिल रही है। ई-वेस्ट प्रबंधन एवं 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल- स्पेशल कैम्पेन 6 में



ई-वेस्ट के प्रभावी संग्रहण, पृथक्करण एवं निपटान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत एसईसीएल मुख्यालय सहित विभिन्न संचालन क्षेत्रों में ई-वेस्ट संग्रहण अभियान चलाए जा रहे हैं। एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में कर्मचारियों द्वारा पुराने एवं अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जमा करने के लिए विशेष ई-वेस्ट

संग्रहण बिन स्थापित किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस बिन का निर्माण भी अनुपयोगी सामग्री से किया गया है, जो 'वेस्ट टू वेल्थ' अर्थात कचरे से उपयोगी संसाधन बनाने की अवधारणा का उदाहरण है। एसईसीएल के विभिन्न संचालन क्षेत्रों में भी ई-वेस्ट संग्रहण एवं जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि स्पेशल कैम्पेन 6 का त्रिमासिक चरण 2 से 31 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के प्रमुख उद्देश्यों में स्वच्छता, ई-वेस्ट प्रबंधन, उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग, स्क्रेप निपटान, रिकॉर्ड प्रबंधन एवं लॉबिटर प्रकरणों का निस्तारण शामिल हैं। इन पहलों के माध्यम से एसईसीएल स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित कार्यस्थलों, संसाधनों के प्रभावी उपयोग, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक दक्षता एवं सुशासन को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में बारिश और तूफान से फसलों को हुए नुकसान का त्वरित सर्वे कर प्रभावित किसानों को राहत दिलाने की कार्यवाई शुरू कर दी गई है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कृषि विभाग और फसल बीमा कंपनी के अधिकारियों की अपने कक्ष में आकस्मिक बैठक लेकर युद्ध स्तर पर सर्वे पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों की बारिश और तूफान से धान सहित अन्य फसलों को हुई वास्तविक क्षति का आकलन कर किसानों को नियमानुसार मुआवजा एवं फसल बीमा दावे का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने कृषि एवं राजस्व विभाग तथा बीमा कंपनी के अधिकारियों से सर्वे कार्य समन्वय से सर्वे कार्य प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

सोशल मीडिया में रचनात्मक पहल

स्वच्छ बिलासपुर का आईडिया देने वाले प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

■ बिलासपुर के माटी पुत्र संयुक्त संचालक रहे राकेश जयसवाल, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी अजय कौशिक का नगर विधायक ने किया सम्मान

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत हमर बिलासपुर सोशल मीडिया ग्रुप द्वारा संचालित 'स्वच्छ बिलासपुर, आपकी बात' पहल में स्वच्छता को लेकर उत्कृष्ट सुझाव एवं विचार प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को भी ग्रुप के मुख्य संरक्षक श्री अमर अग्रवाल ने सम्मानित किया। मालूम हो जिला कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की प्रेरणा से शहर के हमर बिलासपुरसोशल मीडिया ग्रुप में 24 अक्टूबर तक स्वच्छ बिलासपुर आपकी बात विषय पर सदस्यों से सुझाव और

आईडिया आमंत्रित किए गए थे,जिसमें 33 आईडिया ऑनलाइन चरण में निर्णय समिति को प्रेषित किए गए जिसमे से प्रथम पांच सर्वश्रेष्ठ आईडिया व्यक्त करने वाले सदस्यजन को पुरस्कृत किया गया। निर्णायक समिति में श्री राजीव लोचन तिवारी, श्री राधाकिशन शर्मा, विकास चौबे जी रिकू मित्रा, रौनक साव शामिल थे। उन्होंने कहाँ मॉडल टेक्नोलॉजी के नवीन दौर में सोशल मीडिया का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए सर्वश्रेष्ठ आईडिया देने वाले विजेताओं में श्री आशीष वाजपेयी (टिकरापारा), श्री मौनू रजक (अधिवक्ता), श्रीमती दीपाली दुआ (इनर व्हील क्लब), श्री रजनीश ताम्रकार (व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता) तथा श्री विजेंद्र तिवारी (अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता) शामिल रहे। सभी को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि जिला कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की प्रेरणा से शहर के



सोशल मीडिया ग्रुप में 24 अक्टूबर तक 'स्वच्छ बिलासपुर, आपकी बात' विषय पर नागरिकों से सुझाव और नए विचार आमंत्रित किए गए थे। इस पहल के अंतर्गत प्राप्त सुझावों में से 33 विचार ऑनलाइन चरण के लिए निर्णायक समिति के समक्ष रखे गए, जिनमें पांच सर्वश्रेष्ठ

सुझावों का चयन कर उनके प्रस्तुतकर्ताओं को पुरस्कृत किया गया। निर्णायक समिति में श्री राजीव लोचन तिवारी, श्री राधाकिशन शर्मा, श्री विकास चौबे, रौनक साव शामिल थे। राजेंद्र नगर स्थित विधायक निवास पर हमर बिलासपुर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य एवं सेवानिवृत्त संयुक्त

संचालक नगरीय प्रशासन श्री राकेश जायसवाल तथा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कौशिक को भी उनकी दीर्घकालीन सेवाओं के लिए शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। श्री अमर अग्रवाल ने श्री राकेश जायसवाल की कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा को सराहना करते हुए कहा कि नगरीय प्रशासन मंत्री के कार्यकाल के दौरान उन्होंने एक सजग और जिम्मेदार अधिकारी के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन किया। वहीं श्री अजय कौशिक ने अपने संपूर्ण सेवाकाल में शिक्षा व्यवस्था के सुधार और विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे विद्यार्थी परिषद से भी जुड़े रहे हैं। दोनों अधिकारियों की सेवाएं और अनुभव शहर के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। उन्होंने दोनों को सेवानिवृत्ति के पश्चात स्वस्थ एवं सुखद जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

बलराम पांडे को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

बिलासपुर। रतनपुर लेखक एवं इतिहासकार बलराम पांडे को थावे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार के हरिद्वार में संपन्न दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में थावे विद्यापीठ के कुलाधिपति श्री श्री 1008 श्री परम पूज्य हरिहरानंद जी महाराज व कुलपति डॉ विनय पाठक के कर कमलों उनको यह सम्मान प्रदान किया गया डॉक्टर गजेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन में प्राचीन राजधानी रतनपुर, इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, स्थापत्य एवं लोक जीवन का बहु आयामी अध्ययन के 203 पेज के शोध ग्रंथ के आधार पर उन्हें यह उपाधि प्रदान की गई ज्ञात हो कि विगत 34 वर्षों से रतनपुर के इतिहास ,पर्यावरण एवं पुरातत्व पर आ पने लगातार कार्य किया है रतनपुर के लगभग सभी मंदिरों का आलेख विभिन्न समाचार पत्रों में समय-समय पर प्रकाशित होता रहा है पर्यटकों के मार्गदर्शन के लिए चतुर यू गी नगरी रतनपुर धाम व छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध प्रसिद्ध तीर्थ स्थल रतनपुर नामक



पुस्तिका आपने लिखी है वही रतनपुरिहा गम्मत को पुनर्जीवित करने तथा छत्री व हरदिया ही को जो रतनपुर की प्राचीन संस्कृति है के ऊपर भी अपने कार्य किया है रतनपुरिहा गम्मत जो कि लगभग विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुका था जिसे आपने महामाई पारा में विगत 34 वर्षों तक संपन्न कराया डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त किए जाने पर नगर के साहित्यकारों व प्रबुद्ध जनों डॉक्टर दिनेश पांडे, डॉक्टर सुखदेव कश्यप, अनिल अग्रवाल, महंत दिव्यकांत, अश्वनी दुबे, संतोष शर्मा,

ओमप्रकाश दुबे ,राजेंद्र मिश्रा, राजेंद्र दुबे ,राजेश शर्मा, रविंद्र दुबे ,रमन शर्मा, शिवानंद पांडे ,विकल जायसवाल, रूपचंद्र तंबोली, लक्ष्मी पांडे, रश्मि शर्मा, प्रीति शर्मा, चंद्रकांत शर्मा नीलू पांडे, वंदनी मिश्रा ,ओमप्रकाश कश्यप, गेंदराम कौशिक, होरीलाल गुप्ता, भरत लाल गुप्ता, किशनलाल तंबोली, शंकर लाल पटेल, के आर कौशिक, सहित नगर के गढ़मान्य नागरिकों ने खुशी व्यक्त की है तथा उन्हें प्राप्त इस उपाधि को उन्होंने रतनपुर इतिहास के प्रति की गई सेवा का फल बताया है।

आपदा में जीवन बचाने के लिए तत्पर
रहें जल मित्र : कलेक्टर श्री अग्रवाल

■ बाढ़ एवं जल दुर्घटनाओं से बचाव का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न, 50 प्रशिक्षार्थियों को मिले प्रमाणपत्र

बिलासपुर। बाढ़ एवं जल दुर्घटनाओं में त्वरित राहत और बचाव के लिए जल मित्रों को तैयार करने आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आज समापन हुआ। एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र परसदा में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने 50 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस अवसर पर जिला



पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल एवं एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र परसदा के संचालक श्री लक्ष्मी प्रसाद वर्मा उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा के समय त्वरित निर्णय, सही तकनीक और

समन्वित प्रयास लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का नियमित अभ्यास करें और जरूरत पड़ने पर पूरी तत्परता के साथ बचाव कार्य में सहयोग दें। उन्होंने सुरक्षित तरीके से राहत एवं बचाव कार्य करने पर जोर देते हुए

कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित जल मित्रों की उपलब्धता से आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाने में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने प्रशिक्षार्थियों से बचाव कार्यों और प्रशिक्षण के अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की तथा उनके सुझाव भी लिए। उन्होंने कौशल को अद्यतन बनाए रखने के लिए समय-समय पर रिफ्रेशर कोर्स आयोजित करने और जल मित्रों का व्हाट्सएप समूह बनाने का सुझाव दिया, ताकि सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान और बेहतर समन्वय सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ तथा बांध, नदी एवं तालाबों में डूबने की घटनाओं से बचाव के लिए 26 से 30 अक्टूबर तक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

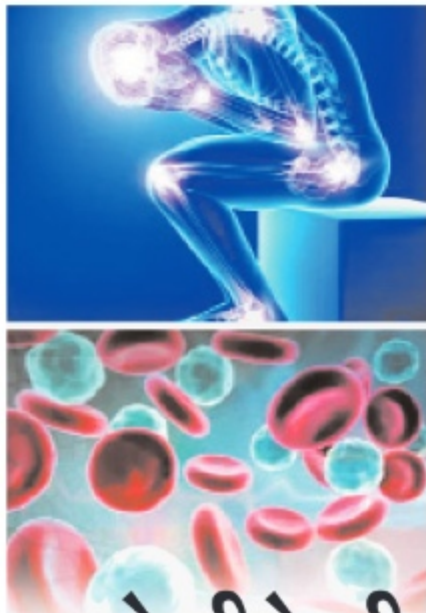
तूफान से फसल क्षति का युद्ध
स्तर पर होगा सर्वे, किसानों
को दिलाई जाएगी राहत



■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर कलेक्टर ने ली आकस्मिक बैठक, सर्वे टीमों की संख्या बढ़ाने के निर्देश

■ गैर-बीमित किसानों को आरबीसी 6-4 के तहत मिलेगी सहायता, राजस्व विभाग करेगा नुकसान का सर्वे

उनकी फसलों को नुकसान हुआ है, उन्हें भी राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के प्रावधानों के तहत पात्रानुसार सहायता दी जाएगी। उन्होंने राजस्व विभाग को ऐसे किसानों की फसल क्षति का सर्वे कर नियमानुसार सहायता के प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीमा कंपनी के अधिकारियों को सर्वे टीमों की संख्या बढ़ाकर अगले कुछ दिनों में सर्वे कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) का अनुभव रखने वाले युवाओं को भी सर्वे की जिम्मेदारी सौंपने को कहा, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन शीघ्र किया जा सके। जिले में एचडीएफसी एग्री कंपनी के माध्यम से चालू खरीफ मौसम में लगभग 47 हजार किसानों ने फसल बीमा कराया है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि विपत्ति की इस घड़ी में राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। कठिन परिस्थितियों में मेहनत कर अन्न उपजाने वाले किसानों का मनोबल बनाए रखना जरूरी है। कठिन परिस्थितियों में मेहनत कर अन्न उपजाने वाले किसानों को उभरी फसलों को हुई वास्तविक क्षति के लिए नियमानुसार राहत सहायता और बीमा दावे का लाभ दिलाया जाएगा। उन्होंने कृषि एवं राजस्व विभाग तथा बीमा कंपनी के अधिकारियों से सर्वे कार्य समन्वय से सर्वे कार्य प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।



खाने-पीने की कुछ चीजों से बढ़ा सकते हैं वाइट ब्लड सेल्स

सफेद रक्त कोशिकाएं यानी वाइट ब्लड सेल्स खून में पाई जाने वाली ब्लड सेल्स हैं, जो बीड़ी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं। इनका काम शरीर में ब्लड प्रेशर मेंटेन रखना, खून को साफ रखना और इन्फेक्शन से लड़ना है। इतना ही नहीं, यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती हैं, खून में मौजूद गंदगी को हटाती हैं, संक्रमण को मारकर उन्हें बाहर निकालती हैं। शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की कमी से आपको संक्रमण बढ़ने, बुखार, त्वचा की समस्याएं, बैक्टीरियल ब्लड इन्फेक्शन, दर्द और सूजन, खून की रुकावट, अस्थमा, कमजोरी, थकान आदि जैसे लक्षण और समस्याएं हो सकती हैं। यदि आपको इन लक्षणों में से कुछ दिखाई देते हैं या यदि आपको लगता है कि आपकी सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो सकती है, तो आपको अपने चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। खाने-पीने की कुछ चीजों के सेवन से आपको शरीर में वाइट ब्लड सेल्स बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

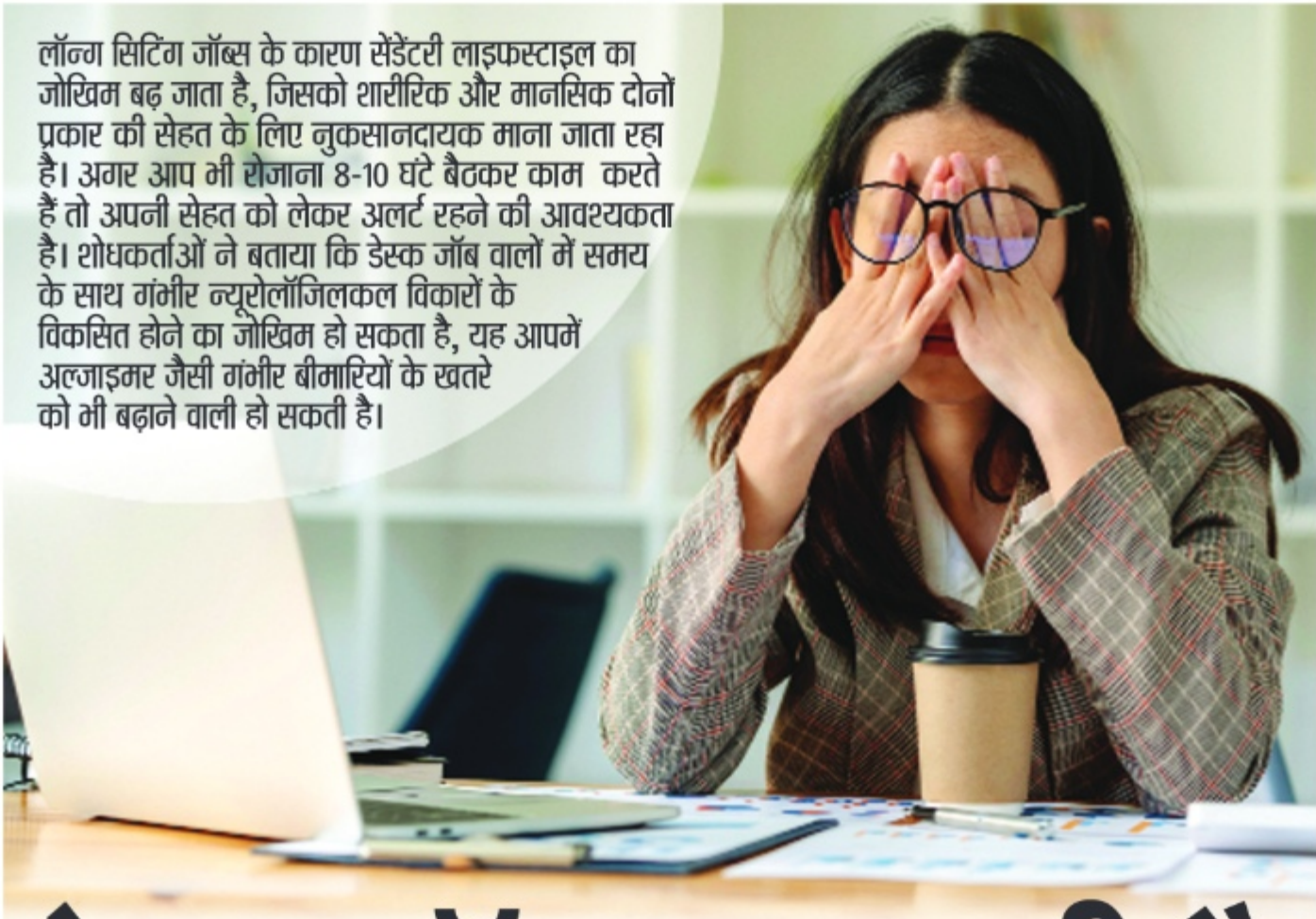
संतरा – संतरा विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या बढ़ा सकता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकता है। संतरा एंटीऑक्सीडेंट का भी खजाना है और इसके सेवन से WBC बढ़ती है।

आम – आम में भरपूर मात्रा में विटामिन छ होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की वृद्धि को बढ़ा सकता है। 1 कप (165 ग्राम) आम आपकी दैनिक विटामिन सी की जरूरत पूरी करता है। इससे सफेद रक्त कोशिकाएं बढ़ती हैं।

अमरुद – अमरुद भी विटामिन सी का बढ़िया स्रोत होता है और सफेद रक्त कोशिकाओं की मात्रा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा अमरुद ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करता है।

अदरक – अदरक में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की सुरक्षा कर सकते हैं और उन्हें बढ़ाने का काम करते हैं। अदरक के सेवन से ऑटोइम्यून बीमारियों वाले लोगों में सूजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

ब्रोकली – ब्रोकली में विटामिन सी, बी6, और ए विटामिन की अच्छी मात्रा होती है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ब्रोकली के सेवन से इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इनके अलावा पालक, लहसुन, किशमिश, दही और खजूर जैसी चीजों के सेवन से भी वाइट ब्लड सेल्स को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।



डेस्क जॉब बढ़ा रही है अल्जाइमर-डिमेंशिया का खतरा

डेस्क जॉब या लंबे समय तक एक स्थान पर बैठकर काम करते रहने की आदत को पहले के अध्ययनों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं वाला बताया गया है। लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। अल्जाइमर रोग, डिमेंशिया के प्रमुख कारणों में से एक है, आमतौर पर इसका जोखिम 60 की उम्र के बाद वाले लोगों में देखा जाता रहा है। हालांकि इस शोध में बताया गया है कि जॉब करने वाले लोगों में भी इस रोग का जोखिम बढ़ता जा रहा है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

सेडेंटरी लाइफस्टाइल और डिमेंशिया का खतरा

कुछ दशकों पहले तक वयस्कों में डिमेंशिया या अल्जाइमर रोग के खतरे को न के बराबर माना जा रहा था, हालांकि समय के साथ इस आयु वर्ग में भी

इस प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ते हुए देखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वर्तमान में 55 मिलियन लोग अल्जाइमर-

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

डिमेंशिया के जोखिमों के बारे में अध्ययनकर्ता डॉ. कोहेन कहती हैं, सेंडेटरी लाइफस्टाइल को पहले से ही कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता था, जिसमें मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं थीं, इसके कारण अब डिमेंशिया का जोखिम भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। शारीरिक निष्क्रियता, वैस्क्यूलर हेल्थ के लिए भी हानिकारक है, ये मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को कम करके सेरेब्रोवास्क्यूलर रोग होने की आशंका को बढ़ा सकती है।



डिमेंशिया से पीड़ित हैं। लाइफस्टाइल की समस्याओं के चलते इस तरह की समस्याओं को जोखिम और भी बढ़ गया है। इससे संबंधित प्रकाशित अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया अगर आप रोजाना 10 घंटे से अधिक की सिटिंग जॉब करते हैं तो ये स्थिति आपमें डिमेंशिया के विकसित होने का कारण हो सकता है।

गतिहीन व्यवहार संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक

लेखकों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आधे से ज्यादा अमेरिकी लोगों के दिन का करीब साढ़े नौ घंटे से अधिक का समय बैठे हुए बीताता है और ये आदत संज्ञानात्मक और संरचनात्मक मस्तिष्क की उम्र बढ़ने से जुड़ी हुई है। गतिहीन व्यवहार में सिर्फ ऑफिस में लंबे समय तक बैठना ही नहीं, लंबे समय तक बैठकर टेलीविजन देखना, कंप्यूटर पर काम करना और गाड़ी चलाना भी इसमें शामिल है।

अध्ययन में क्या पता चला?

गतिहीन व्यवहार किस प्रकार से मस्तिष्क के लिए समस्याकारक है, इसको जानने के लिए शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक से डेटा एकत्र किया। प्रतिभागियों को एक सप्ताह के लिए अपनी कलाई पर एक्सेलेरोमीटर पहनने के लिए कहा गया। फिर एकत्र किए गए डेटा पर एक मशीन लर्निंग-आधारित विश्लेषण किया गया ताकि यह आकलन किया जा सके कि वे कितने गतिहीन थे।

दिमाग को रखना हैं शांत तो खाएं सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के फूल के बारे में तो आप सबने सुना होगा लेकिन इसके बीज भी सेहत के लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं। सूरजमुखी को एक औषधीय पौधा भी माना जाता है। इसके बीजों का इस्तेमाल ड्राईफ्रूड के तौर पर भी किया जाता है। वहां इसके तेल का इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा किया जाता है। इसमें लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, विटामिन ई, डी और ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

दिमाग बनाएं शांत

इसके बीजों में टीटोफैन उच्च मात्रा में होने के कारण यह आपके दिमाग को शांत रखने में काफी मदद करता है। यह आपको माइग्रेन और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाता है।

हृदय रोगों से बचाएं

सूरजमुखी के बीज में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होने के कारण यह मनुष्य शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक आने से रोकते हैं। इसके बीजों में उच्च मात्रा में बीजाइन पाया जाता है, जो हार्ट ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल पाता है।

पाचन क्रिया में मदद

इन बीजों में बड़ी मात्रा में फाइबर पाया जाता है। जो पेट की समस्याएं कब्ज, कैंसर और बवासीर जैसी बिमारियों से राहत देते हैं। इसके तेल की कुछ बूंदें दूध में डालकर पीने से कब्ज जैसी बीमारी से राहत मिल सकती है।

हड्डियों को रखें मजबूत

सूरजमुखी के बीजों में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होने के कारण यह हमारी हड्डियों को मजबूत और लचीलापन लाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों की संरचना करने में मदद करता है।



पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मददगार है सेंधा नमक

भारतीय घरों में सेंधा नमक का इस्तेमाल खूब किया जाता है। आमतौर पर व्रत के खाने में इसे इस्तेमाल किया जाता है। सेहत के मामले में भी यह नमक बहुत गुणकारी है। सेंधा नमक का प्रयोग आयुर्वेद में सालों से उपचार के लिए किया जाता रहा है। एक हालिया अध्ययन की मानें तो यह नमक पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मददगार है। अगर आपको पाचन की समस्या है या सर्दी लगी है तो सेंधा नमक की मदद से आप आराम पा सकते हैं।

सामान्य नमक में दो तत्व खासतौर पर पाए जाते हैं—सोडियम और क्लोराइड। जबकि सेंधा नमक आयसन, जिंक, निकेल, कोबाल्ट, मैग्नीज, कॉपर रिच होता है जो हमारी सेहत के लिए जरूरी तत्व हैं। इसके अलावा अनिद्रा की शिकायत को दूर करने में भी यह नमक मददगार है। सेंधा नमक में पाए जाने वाले मिनेरल्स व्यक्ति को कई रोगों से दूर रखने में मदद करते हैं। यह नमक पाचक रसों का निर्माण करता है, इसलिए यह पाचन को दुरुस्त रखने का काम भी करता है। सेंधा नमक का उपयोग करने से ब्लड प्रेशर के उपचार, कब्ज, अपच, गैस व सीने में जलन जैसी कई बीमारियों के लक्षणों को भी कम करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही सेंधा नमक के कुछ गुण के फायदे।

ब्लडप्रेशर करें कंट्रोल

सेंधा नमक हाई ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है जिससे हार्ट अटैक का खतरा भी कम रहता है।

स्ट्रेस करता है कम

सेंधा नमक स्ट्रेस कम करने में भी मदद करता है। इतना ही नहीं यह सेरोटोनिन और



अस्थमा, डायबिटीज और आर्थराइटिस के मरीजों के लिए सेंधा नमक का सेवन काफी फायदेमंद होता है। नौद न आने की समस्या में भी सेंधा नमक काफी फायदेमंद होता है।

गले की खराश के लिए सेंधा नमक

सेंधा नमक में डिक्लोरेटेट गुण हो सकते हैं, जो गले में फर्से बैक्टीरिया युक्त बलगम को पतला कर उसे शरीर से बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं। साथ ही यह खासी की समस्या से भी राहत दिला सकता है। गले में खराश की समस्या दूर करने के लिए सेंधा नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे किए जा सकते हैं।



घातक साइड इफेक्ट दे सकती हैं वजन कम करने वाली दवाएं

वजन कम करने के लिए दवाओं के सेवन से बेहतर होगा कि आप अन्य फंडे अपनायें, जैसे आप कम वसा वाली खुराक ले सकते हैं, बिना रिफाइन किया हुआ आटा इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानें, मोटापा कम करने वाली दवाइयां लेने से क्या नुकसान हो सकते हैं।

- ▶ मोटापा कम करने वाली दवाओं के प्रयोग से आंतों में वसा नहीं जमती और वसा मल के साथ निकल जाती है, यानी आपको उतनी ऊर्जा नहीं मिलती जो कि आमतौर पर किसी चीज को खाने से मिलती है और फलस्वरूप आप दुबले होने लगते हैं।
- ▶ इन दवाओं के सेवन से लीवर को नुकसान होता है। दरअसल, गुदों को नुकसान पहुंचने का कारण आंतों में ऑक्सैलिक अम्ल का अधिक जमाव होना है, जिससे गुदों खराब हो सकते हैं।
- ▶ शोधों में भी साबित हो चुका है कि मोटापा कम करने वाली दवाएं पैक्थियाज (अग्न्याशय) को भी नुकसान पहुंचाती है।
- ▶ इन दवाओं से सिर्फ गुदों को नुकसान ही नहीं पहुंचता बल्कि गुदों में पथरी की शिकायत होने

की आशंका भी बढ़ जाती है।

- ▶ यह दवाएं आपका मोटापा तो शायद कम न कर पाए, लेकिन आपको उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों के साथ ही याददाश्त में कमी यानी आपकी स्मरण शक्ति को कमजोर करने जैसी गंभीर बीमारियों को अवश्य बढ़ा देती है।
- ▶ आमतौर पर लोग मोटापा कम करने वाली दवाओं के विज्ञापन देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन दवा कंपनियों द्वारा दिए जा रहे प्रलोभन भविष्य में आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं।
- ▶ यदि आप वजन घटाने के लिए किसी दवा का सेवन करना भी चाहते हैं तो किसी विशेषज्ञ या डॉक्टर के परामर्श बिना मोटापा घटाने वाली दवाओं का सेवन न करें।
- ▶ वजन कम करने वाली दवाओं से निद्रा, अवसाद, तनाव रहना, शारीरिक कमजोरी जैसी बीमारियों से ग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है।
- ▶ डॉक्टर्स की मानें तो मोटापा कम करने का सरल व सस्ता उपाय है नियमित सैर करना। यानी

लोग फिट रहने और वजन कम करने के लिए दवाएं तक लेने से नहीं चूकते और वे यह भूल जाते हैं कि ये दवाएं घातक साइड इफेक्ट दे सकती हैं। यानी मोटापा कम करने वाली दवाओं के सेवन से अतिरिक्त प्रभाव भी होते हैं, जिनसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

आप नियमित रूप से सैर करके अपने वजन को आसानी से कम कर सकते हैं। या फिर आप बैलेंस डाइट लेकर भी वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।

- ▶ इतना ही नहीं युवा वजन घटाने के लिए वेट लूज इंजेक्शंस और कैप्सुल्स तक का इस्तेमाल करते हैं। वेट लूज करने वाली ड्रग्स में कोसिमाम का इस्तेमाल किया जाता है, जो मधुमेह रोगियों को दिया जाता है।
- ▶ आमतौर पर 20 मिनट तक वर्कआउट करने के बाद शरीर की वसा जलनी शुरू होती है, वयोंकि इससे पहले कार्बोहाइड्रेट बर्न होता है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत रावघाट में ग्राम सभा एवं नुक़ड़ नाटक का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा खदान विभाग के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह2026 के अंतर्गत रावघाट खदान क्षेत्र के अंतर्गत स्थित डीएवी रावघाट इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ग्रामसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, इसके उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देने तथा सत्यनिष्ठ एवं निवारक सतर्कता की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर कार्पोराल निदेशक (रावघाट) श्री अरुण कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री सुनील सिंगल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में डीएवी विद्यालय, अंतर्गत के प्राचार्य श्री गोपीनाथ साहू ने स्वागत उद्घोषण में भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए सभी से अपने दैनिक व्यवहार एवं कार्यप्रणाली में सत्यनिष्ठ अपनाने तथा निवारक सतर्कता के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। इसके पश्चात उपस्थितजनों को सत्यनिष्ठ की



शपथ दिलाई गई। विद्यालय के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत, स्वागत गीत एवं भाषण की प्रस्तुति दी। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित चित्रकला, प्रश्नोत्तरी, निबंध, नारा लेखन एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नुक़ड़ नाटक के माध्यम से भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों तथा सत्यनिष्ठ के महत्व को प्रभावी ढंग से

प्रस्तुत किया, समाज में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन सीनियर पीआरटी (डीएवी स्कूल) श्री अविनाश काटकर ने किया। इस अवसर पर आसपास के ग्रामों के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

उद्घेखनीय है कि डीएवी रावघाट इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अंतर्गत का संचालन भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा किया जाता है। विद्यालय में आसपास के 62 ग्रामों के 650 से

अधिक विद्यार्थियों को कक्षा पहली से ग्यारहवीं तक शिक्षा प्रदान की जाती है। विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन तथा बस द्वारा आवागमन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। शिक्षा एवं बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से यह विद्यालय आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सतर्कता) सुश्री रेनु गुप्ता, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री मोहम्मद नौशाद आलम, उप महाप्रबंधक (रावघाट) श्री योगेश वर्मा एवं श्री अमित मिश्रा, सीनियर विजिलेंस इन्स्पेक्टर श्री वी.वी.एस.एस. राव, सेनशन एसोसिएट (सतर्कता) श्री आर. राजेश एवं श्री कमलेश यादव तथा एडमिनिस्ट्रेटिव एसोसिएट (सतर्कता) श्री श्रीनिवास सहित सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों एवं ग्रामीण समुदाय को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक रहने, सत्यनिष्ठ अपनाने तथा समाज में पारदर्शिता और जवाबदेही को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।

सफलता की कहानी : सेवा सेतु पोर्टल से आवेदक को मिला बच्चे के प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र

दुर्ग। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने में सेवा सेतु पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम डौघारी निवासी श्री यशवंत भांडेकर को पाटन के सेवा सेतु केंद्र से अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र मिलने से उनके बच्चों के उच्चतर शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र उन परिवारों के बच्चों को मिलता है जिनके माता-पिता अस्वच्छ व्यवसायों-जैसे चमड़ा रंगना, चमड़ा निकालना, कच्चा बीनना इत्यादि कामों में संलग्न होते हैं।

यशवंत भांडेकर का परिवार सीमित आय और आर्थिक कठिनाइयों के बीच जीवनयापन करता है। इन परिस्थितियों के बावजूद उनकी हमेशा से इच्छा रही है कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले और वे बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ें। जब उन्हें अस्वच्छ व्यवसाय में कार्यरत परिवारों के बच्चों के लिए केंद्र प्रवर्तित प्री-



मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना की जानकारी मिली, तो उनके मन में बच्चों की पढ़ाई को लेकर नई उम्मीद जगी। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र आवश्यक था। सरकारी प्रक्रियाओं और आवश्यक दस्तावेजों को लेकर चिंतित यशवंत भांडेकर को तहसील कार्यालय पाटन स्थित सेवा सेतु केंद्र के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद वे प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए केंद्र पहुंचे। वहां केंद्र के प्रबंधक ने उन्हें आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने में मार्गदर्शन प्रदान किया।

डिजिटल एवं पारदर्शी व्यवस्था के तहत 12 जून 2026 को उनका आवेदन दर्ज किया गया। केंद्र के माध्यम से दस्तावेजों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद 31 अगस्त 2026 को उनका अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण-पत्र सफलतापूर्वक अनुमोदित होकर प्राप्त हुआ। प्रमाण-पत्र मिलने से यशवंत भांडेकर के परिवार को बड़ी राहत मिली। यह दस्तावेज उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जिससे उनकी शिक्षा संबंधी उम्मीदों को नया सहारा मिला है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर ने किया बस्तर का भ्रमण

महिला समूहों का बढ़ाया हौसला

जगदलपुर, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली के विशेष मॉनिटर जनजातीय कल्याण आर. हेमंत कुमार ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान 29 अक्टूबर को बस्तर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर आदिवासी अधिकारों और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से मुलाकात कर उनके सर्वाधिकरण की दिशा में हो रहे कार्यों की सराहना की। हेमंत कुमार ने जगदलपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत तुनेनार स्थित ग्रोथ सेंटर, रेड्डी टू टैट इकाई और परचनपाल में सीसल कला केंद्र का भ्रमण किया।



उन्होंने स्व-सहायता समूहों की सदस्यों द्वारा निर्मित किए जा रहे स्थानीय उत्पादों की बारीकी से जांचकारी ली। विशेष मॉनिटर ने न केवल उत्पादों की गुणवत्ता को

सराहा, बल्कि इन उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने और अधिक से अधिक बिक्री कर आमदनी बढ़ाने के लिए महिलाओं को महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा स्थित शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने लोकतंत्र की मजबूती, सुरासन और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार रखे। इस दौरान विद्यार्थियों ने जनप्रतिनिधियों से विभिन्न विषयों पर सीधे सवाल पूछे और उनके जवाब प्राप्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती और छत्तीसगढ़ महतारी के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एस. प्रसाद ने स्वागत उद्घोषण दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़मी ने लोकतंत्र की मजबूती, सुरासन और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय



जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रहल असरानी ने विद्यार्थियों से लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने तथा अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने आरोप लगाया कि विश्व द्वारा चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ भ्रामक

सूचनाएं फैलाकर संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उपलब्धियों के प्रति जनता के विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चलाया

जा रहा है।मुख्य अतिथि एवं क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी ने लोकतंत्र की रक्षा, जनभागीदारी और युवाओं की जिम्मेदारी पर विचार रखे। उन्होंने विद्यार्थियों से जागरूक रहकर राष्ट्र और समाज के विकास में योगदान देने की अपील की। युवा संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने जनप्रतिनिधियों से सीधे

सवाल किए। विधायक अटामी ने उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति कर्तव्य निर्वाहन की शायश दिलाई। महाविद्यालय परिसर में विकसित भारत और लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्रोफेसर दिनेश लहरी ने किया। राष्ट्रपति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष पिंटू राम उज्ज्वे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य तिलेश्वरी नागेश, सहायक उपाध्यक्ष सुनीता भास्कर, नगर पालिका उपाध्यक्ष कलाश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शहर में भारी वाहनों का दबाव होगा कम

कोरबा । कोरबा विधानसभा क्षेत्र में सड़क और पुल अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में दौरी बराजडुबरमपुर मार्ग पर अहिंर नदी और दौरीडुसीएसईबी चौक मार्ग पर कोहड़िया के समीप बेलगिरी नाला में उन्वस्तरिय पुल निर्माण कर्यों की शुरुआत हुई। दोनों पुलों के निर्माण पर कुल 26.17 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ सड़क संपर्क मजबूत होने की उम्मीद है। खासकर बरमपुर क्षेत्र से भारी वाहनों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक मार्ग विकसित होने से शहर के भीतर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। कोहड़िया के समीप बेलगिरी नाला पर 9.11 करोड़ की लागत से उन्वस्तरिय पुल बनाया जाएगा। यहां आयोजित कार्यक्रम में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मौजूदा पुल संकरा होने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी। साथ ही दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती थी। इन समस्याओं को देखते हुए नए पुल के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। मंत्री ने कहा कि कोरबा विधानसभा क्षेत्र में मुख्य सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण और पुल-पुलियों के कामों को गति दी जा रही है, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन मिल सके। दौरी बराजडुबरमपुर मार्ग पर अहिंर नदी में 717.05 करोड़ की लागत से उन्वस्तरिय पुल का निर्माण किया जाएगा।

अर्नब चक्रवात के कारण बीमित फसल में नुकसान होने पर टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना दें

दुर्ग । भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी में उत्तर भोषण चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव से जिले में अधिकांश स्थानों पर भारी वर्षा हो रही है। असामयिक वर्षा से फसलों में नुकसान की संभावना है। बीमित फसल में नुकसान होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत मुआवज़ा देने का प्रावधान है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ 2026 के लिए जिले में अधिसूचित फसलें धान (सिंचित एवं असींचित), मका, सोयाबीन, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, मूंगफली, कोदो, कुटकी तथा रागी हैं। उपसंचालक कृषि विभाग से मिली जानकारी अनुसार किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में तीन प्रमुख जोखिम फसल की कुवाई

/ रोपाई (प्रतिकूल मौसम अवस्थाओं के कारण) नहीं होने, स्थानीयकृत आपदाएं (ओलावृष्टि, जलप्लावन अतिवृष्टि धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति शामिल नहीं) एवं खेत में फसल काटने के पश्चात सूखाने के लिये रखी गई फसल में होने वाली क्षति को शामिल किया गया है। स्थानीय आपदा एवं फसल कटाई उपरांत खेत में सूखने रखी फसल में नुकसान होने पर अंतरिम राहत दिए जाने का प्रावधान है। किन्तु इस हेतु किसानों को 72 घंटे के भीतर इसकी सूचना देना अनिवार्य होगा। इसके लिए कृषक केंद्र सरकार के टोल-फ्री नंबर 14447 (कृषि रक्षक पोर्टल व हेल्पलाइन) पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अधिकृत व्हाट्सएप नंबर

अवैध रूप से गांजा रखकर ग्राहक तलाश रहे आरोपी को थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने किया गिरफ्तार आरोपी थाना पुरानी भिलाई का हिस्ट्रीशीटर है

भिलाई। आरोपी के कब्जे से 1.150 किलोग्राम अवैध गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 60,000 रुपये है, जप्त किया गया। आरोपी ग्राम सिरसाकला, पुरैना चौक नर्सरी के पास गांजा बिक्री हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहा था। थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया । आरोपी के विरुद्ध धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। थाना पुरानी भिलाई पुलिस को मुखबिर् से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सिरसाकला, पुरैना चौक नर्सरी के पास एक युवक कटथई रंग की फुल शर्ट एवं काले रंग की पैंट पहने हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना को तत्दीक एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु थाना पुरानी भिलाई पुलिस टीम गवाहों एवं हमराह स्टाफ के साथ ग्राम सिरसाकला, पुरैना



चौक नर्सरी पहुंची। मुखबिर् द्वारा बताए गए हूलिए का युवक नर्सरी के पास दिखाई दिया, जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा। गवाहों के समक्ष पृष्ठताछ करने पर उसने अपना नाम नितिन कुमार डहरिया, उम्र 28 वर्ष, निवासी भाटापारा दादर चरोदा, थाना पुरानी भिलाई, जिला दुर्ग बताया। सद्विह के पास रखे पैकेट की जांच करने पर उसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा पाया गया। पुलिस ने आरोपी नितिन डहरिया के कब्जे से गवाहों की उपस्थिति में कुल 1.150

सिरसाकला, पुरैना चौक नर्सरी, थाना पुरानी भिलाई, जिला दुर्ग जप्त सामग्री का विवरण 1.150 किलोग्राम अवैध गांजा।अनुमानित कीमत: 60,000 रुपये। गिरफ्तार आरोपी नितिन कुमार डहरियाउम्र 28 वर्षनिवासीभाटापारा दादर चरोदाथाना पुरानी भिलाई, जिला दुर्ग सराहनीय कार्य इस संगुर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी थाना पुरानी भिलाई श्री विजय यादव, प्रशिक्षु उर्ध्वरीक्षक शोशल देवांगन, सहायक उर्ध्वरीक्षक हिरामन रामटेके, आरक्षक राजकुमार सिंह, आरक्षक पी. वी. एवं आरक्षक वसीम खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस की अपील दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से पोल करती है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, परिवहन एवं भंडारण की जानकारी तत्काल निम्नलिखित थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

पुलिस ने आधुनिक हथियारों और सुरक्षा उपकरणों की दी जानकारी झंडा दिवस पर हथियारों की प्रदर्शनी, बच्चों ने पूछे सवाल

बीजापुर। झंडा दिवस के अवसर पर बुधवार को रक्षित केंद्र में पुलिस ने आधुनिक हथियारों और सुरक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में पहुंचने बच्चों ने हथियारों की करीब से देखा और उनके इस्तेमाल, कार्यप्रणाली तथा सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं के बारे में सवाल पूछकर जानकारी ली। हथियारों और उपकरणों की लेकर बच्चों में खासा उत्साह नजर आया। प्रदर्शनी में पुलिस बल के फील्ड वेपन, आधुनिक हथियार और अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण रखे गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने, कानून-व्यवस्था की स्थिति संभालने और कठिन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इन उपकरणों की



अहम भूमिका होती है। साथ ही पुलिस बल की विभिन्न परिस्थितियों में किस तरह काम करना पड़ता है, इसकी भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के जरिए बच्चों को पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा

व्यवस्था से परिचित कराने का प्रयास किया गया। पुलिस का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने के साथ सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान बढ़ाना भी रहा।



महापौर की पहल पर विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने निगम का विशेष अभियान शुरू, खराब लाइटों की भी होगी मरम्मत

दुर्ग/ नगर पालिक निगम।दीपावली पर्व पर दुर्ग शहर को रोशनी से जगमग करने के लिए नगर पालिक निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। महापौर अलका बाघमार के निर्देश पर निगम के विद्युत विभाग की टीम ने शहर के सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने और नए लाइट लगाने का विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत सड़कों, चौक-चौराहों एवं विभिन्न मोहल्लों में रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि त्योहार के दौरान नागरिकों को अंधेरे और खराब स्ट्रीट लाइट की समस्या का सामना न करना पड़े। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि दीपावली से पहले शहर के हर वार्ड में बेहतर रोशनी उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से विभिन्न वार्डों में विद्युत व्यवस्था सुधारने के



निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि एमआईसी की पिछली बैठक में ही सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को बेहतर बनाने का निर्णय लिया गया था, जिसके अनुरूप निगम की विद्युत टीम लगातार कार्य कर रही है।महापौर ने बताया कि शहर की स्ट्रीट लाइटों के निर्गमित रखरखाव एवं मरम्मत के लिए लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का टेंडर किया गया है। इसके माध्यम से खराब लाइटों की समय पर मरम्मत और विद्युत व्यवस्था के रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही शहर के सभी वार्डों के लिए 600 नई लाइटें

मंगाई गई हैं, जिन्हें सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार समान रूप से वितरित कर लगाया जाएगा।उन्होंने कहा कि शहर में बेहतर रोशनी के लिए ट्यूबलर पोल एवं हाईमास्ट लाइट लगाने की भी योजना है। लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को भी दुरुस्त करवाया जा रहा है, ताकि खराब लाइटों के कारण अंधेरे में रहने वाले क्षेत्रों में देवारो रोशनी की व्यवस्था की जा सके।निगम के विद्युत विभाग की टीमों को वार्डवार जिम्मेदारी सौंपकर कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। जिन क्षेत्रों में लाइटों की आवश्यकता है,वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराया जा रहा है।दीपावली के अवसर पर शहर की विद्युत गलियां रोशनी से जगमग रहें तथा नागरिकों की सुरक्षा और बेहतर वातावरण मिल सके।